RNI No. : UPHIN/2017/74695

डाक पंजीकरण सं. :
एस.एस.पी./एल.डब्लू./एन.पी. - 558/2018-2020

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 3 अंक : 6 | लखनऊ, शुक्रवार, 6 दिसम्बर 2019 से 5 जनवरी 2020 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 10 रूपये

Entry Fee : Online Registration Rs. 150/- and On site Registration Rs. 300/-

ALL INDIA PHOTOGRAPHIC TRADE AND INDUSTRY ASSOCIATION™

C-3/6, Taj Building, 1st Floor, 210, Dr. D. N. Road, Fort, Mumbai - 400 001. Tel.: +91 22 2207 6201
Email : info@aiptia.org • www.aiptia.org

सम्पादक की कलम से ...

मेरे फोटोग्राफर साथियो,

साथियों, स्टूडियो न्यूज के दिसंबर 2019 अंक के साथ हम आपके समक्ष है। 2019 को अलविदा कहने तथा 2020 के स्वागत करने का समय आ गया है। 2019 में हमने तकनीक के रूप में बहुत से बदलाव देखें हैं। वेडिंग में मिररलेस कैमरो ने अच्छी पकड़ बना ली है और भविष्य में और भी नई तकनीक देखने को मिल सकती है। आने वाला वर्ष तकनीकी दृष्टि से नए फोटोग्राफी उत्पाद लेकर आएगा ऐसा हमारा विश्वास है।

साथियों, वेडिंग फोटोग्राफी में कैमरों के साथ एक्सेसरीज का बहुत बड़ा योगदान है चाहे वह गिंबल, लाइट या ऑप्टिक्स हो। जैसे आज सिनेमैटिक शूट करने में गिंबल का महत्वपूर्ण योगदान है। इस अंक में नए इक्विपमेंट, कैमरे, एक्सेसरीज जो वर्ल्ड वाइड लॉन्च हुई है, उनके बारे में समाचार आपको देने की कोशिश की है। कैमरा रिव्यू सेगमेंट में निकॉन के जेड 7 कैमरे का रिव्यु दिया है। फोटोग्राफी में फोटो एडिटिंग बहुत मायने रखती है, इसके लिए फोटोशॉप कैसे सीखें की तीसरी सीरीज प्रस्तुत की है। वेडिंग फोटोग्राफर के लिए कैनन तीन लेंस की सिरीज लेकर आया है उसके बारे में विस्तृत जानकारी दी है, जो वेडिंग फोटोग्राफर के लिए अति महत्वपूर्ण है। महान विभूतियों में डॉ. जे.एस. मूर्ति जी के बारे में तथा उनके फोटोग्राफ्स प्रस्तुत किये हैं।

कुछ नया करने की सोच को लेकर एक आर्टिकल, नए कांसेप्ट पर काम करने से संबंधित आपको बताया है तथा पुष्कर मेले के बारे में जानकारी दी है जहाँ पर दुनिया भर के फोटोग्राफर अपनी कला का प्रदर्शन करने आते हैं जिससे एक अलग ही माहौल वहां पर निर्मित होता है।

फूड फोटोग्राफी बहुत तेजी से बढ़ती हुई एक विधा है, फूड फोटोग्राफी के लिए रंगों के संयोजन के बारे में आपको बताया है। मोबाइल फोटोग्राफी के सेगमेंट में इस बार हमने सेल्फी जो कि स्मार्टफोन फोटोग्राफी का एक लोकप्रिय अध्याय है उसका इतिहास बताने की कोशिश की है। फोटो की खूबसूरती में लाइट का बहुत महत्व है, इसलिये तीन पॉइंट लाइटिंग के बारे में विस्तृत जानकारी दी है। जिंदगी में नई-नई चुनौतियों का सामना करने के लिए एक मोटिवेशनल कंटेंट भी शामिल किया है। निकॉन ने वेडिंग फिल्म अवार्ड शुरू किया है, आप लोगो के लिए उत्तम मौका है उसमे भाग लेने का, उसके बारे में विस्तृत जानकारी दी है।

आप सभी लोगों को नववर्ष की अग्रिम शुभकामनाएं। आशा करते हैं पिछले साल के मुकाबले आने वाले समय में नई तकनीक से और ज्यादा तरक्की करें और नाम कमाएं। शुभकामनाओं सहित -

सुरेंदर सिंह बिष्ट
सम्पादक

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खबरें

कैनन का EOS Ra, फुल-फ्रेम मिररलेस एस्ट्रोफोटोग्राफी कैमरा

रात में आसमान की खूबसूरती कैप्चर कीजिए कैनन के पहले फुल-फ्रेम मिररलेस कैमरा से जो है एस्ट्रोफोटोग्राफी के लिए।

पैनासॉनिक का फर्मवेयर अपडेट GH5, GH5S, GH9, S1 व S1R, G9 वीडियो बूस्ट के साथ

पैनासॉनिक ने अपने फर्मवेयर अपडेट की सीरीज के बारे में बताया है जो कि S1, S1R, GH5, GH5S व G9 के लिए है। G9 में अधिकतम G5 जैसी ही वीडियो क्षमता है।

जनवरी में मिलेगा पैनासॉनिक ल्यूमिक्स एस प्रो 16-35एमएम एफ4

पैनासॉनिक अपने एल-माउंट लाइनअप में कॉन्स्टैंट अपर्चर वाइड-एंगल जोड़ रहा है, लेंस कम वजन के बने हैं और साइज भी छोटा है।

E व L माउंट में नया सिग्मा 24-70mm f2.8 DG DN आर्ट आ रहा है

जिनके पास फुल-फ्रेम सोनी व पैनासॉनिक/लीका/सिग्मा बॉडीज जिनके पास हैं उनके लिए सिग्मा ने बनाया है नया 24-70 एमएम एफ 2.8 आर्ट लेंस। लेंस में कई खासियते हैं, 18सेमि न्यूनतम फोकस डिस्टेंस व मौसम से बचाव भी है।

लीका SL2 एक फुल-फ्रेम कैमरा है जिसमें इन-बॉडी स्टैबलाइजेशन, तेज बर्स्ट शूटिंग है व वीडियो फीचर्स भी

लीका के ओरिजनल SL से SL2 फुल-फ्रेम मिररलेस कैमरा काफी बेहतर है। अब इसमें है 47MP सेंसर के साथ, इन-बॉडी इमेज स्टैबलाइजेशन, 20fps बर्स्ट शूटिंग व 4K वीडियो कैप्चर।

KANDAO Q कैम 8K एक सस्ता पॉकेट साइज 8K 360 डिग्री कैमरा है

कैमरे में है बिल्ट इन 2.4 इंच टचस्क्रीन, 1/1.7" इमेज सेंसर व मल्टी-फ्रेम स्टैकिंग

ज़ीस के रैडिएंस प्राइम लेंस नियंत्रित फ्लैर इफेक्ट सिनेमैटोग्राफर्स के लिए

ज़ीस के मुताबिक फ्लैयर्स दोबारा फैशन में है, इसने लॉन्च किया है सात प्राइम लेंस का कलेक्शन नए टी'ब्लू कोटिंग के साथ नियंत्रित फ्लैयर के लिए लेकिन कंट्रास्ट का कोई नुकसान नहीं है।

निकॉन ने खुलासा किया अपने शीर्ष के निक्कॉर जेड 58एमएम एफ/0.95 एस एनओसीटी का

नया एनऑक्ट लेंस स्टैलर फार्म के डिजाइन में है और प्वाइंट-इमेज रिप्रोडक्शन में काम करता है।

निकॉन कॉरपोरेशन टोक्यो की 100 प्रतिशत सब्सिडियरी निकॉन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने अपने एस लाइन में एडिशन का परिचय कराया है जो कि है निक्कॉर जेड 58एमएम एफ/0.95 एस एनऑक्ट। यह एनऑक्ट निक्कॉर लेंस में सबसे अधिक प्रतिपादन प्रदर्शन देता है ताकि सूक्ष्म प्वाइंट-इमेज रिप्रोडक्शन का उत्पादन हो पाए, हाई-रिजॉल्विंग पावर, इत्यादि हो ताकि उपयोगकर्ता अधिकतम एफ/0.95 के अपर्चर पर शूटिंग का लुत्फ उठा पाएं।

निकॉन ने रिलीज की एमबी-एन10 बैट्री पैक जेड सीरीज के लिए

पहले से और खूबसूरत स्टिल व मूवी कैप्चर होगी नए बैट्री पैक से, निकॉन फुल-फ्रेम मिररलेस कैमरे की बैट्री की क्षमता बढ़ेगी।

कैनन लाया अपने पहले दो 8के ब्रॉडकास्ट लेंस, यूएचडी-डिजिसुपर51 व 7×10.7 केएएस एस

दो लेंस खासतौर पर 8के-क्षमता वाले कैनन के ब्रॉडकास्ट कैमरे के लिए हैं। कैनन का ऐसा दावा है कि वह डॉक्यूमेंट्री प्रोडक्शन व खेल की कवरेज के लिए डिमांड में हैं।

प्लगेबल के नए 1टीबी, 2 टीबी थंडरबोल्ट 3 एनवीएमई एसएसडी देते हैं 2800एमबी/सेकेंड तक की रीड स्पीड

ब्लैकमैजिक डिजाइन के डिस्क स्पीड टेस्ट प्रोग्राम से किए गए हमारे टेस्ट ने इस बात की पुष्टि की है कि प्लेगेबल एनवीएमई एसएसडी का 1टीबी वर्जन 1915एमबी प्रति सेकेंड की राइट स्पीड तक पहुंच सकता है और 2331 एमबी प्रति सेकेंड की रीड स्पीड तक।

डीजेआइ डेवलपिंग एप सबको स्मार्टफोन से ड्रोन पहचानने देगी

दुनिया का सबसे बड़ा ड्रोन निर्माता, डीजेआइ, ऐसी तकनीक बना रहा है जिससे पब्लिक आसपास उड़ रहे ड्रोन के बारे में जानकारी ले पाएगी

रोड ने अपने नए वीडियो माइक एनटीजी का एलान किया, यह हाइब्रिड माइक्रोफोन है जिसमें है ब्रॉडकास्ट-क्वालिटी साउंड

वीडियोमाइक एनटीजी रोड तकनीक को एनटीजी माइक्रोफोन की ब्रॉडकास्ट क्वालिटी लाइन से और अधिक बेहतर कर के हॉटशू-माउंटेबल वीडियो माइक में लाया है।

ट्राइपॉड निर्माता 3 लेग्गड थिंग ला रहा है प्रीमियम ट्राइपॉड की नई रेंज

ट्राइपॉड निर्माता 3 लेग्गड थिंग ने अपने ट्राइपॉड की प्रीमियम रेंज के बारे में बताया है। यह स्टिल व मूवी फोटोग्राफर्स के लिए बने हैं। यह नई रेंज स्केटबोर्डिंग वर्ल्ड से प्रेरित है। यह रेंज नई लेग लॉक देगी, लेवलिंग बेस देगी और साथ में ही हैं तीन डिटैचेबल लेग जो कि लाइट व माइक्रोफोन के लिए मोनोपॉड व बूम आर्म बन सकते हैं। कंपनी ने दो मॉडल लॉन्च किए हैं, माइक व जे और वादा किया है कि भविष्य में और बेहतर करेगी।

गोरखपुर शहर में निकॉन इंडिया का एक्सपीरियंस जोन

दिनांक 18.11.2019 को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में निकॉन इंडिया द्वारा अपना पहला एक्सपीरियंस जोन का उद्घाटन किया। निकॉन एक्सपीरियंस जोन सुंदर फोटो गुड्स, गोलघर, गोरखपुर का उद्घाटन निकॉन इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर सज्जन कुमार और वाइस प्रेसीडेंट जितेंद्र चुघ द्वारा किया गया। इस जोन द्वारा गोरखपुर और आस-पास के अन्य जिलों के फोटोग्राफर साथियों को निकॉन इंडिया प्रोडक्ट्स की संपूर्ण रेंज उपलब्ध करायी जायेगी।

06.11.2019 को शाहजहाँपुर में फुजी फिल्म कैमरा वर्कशाप

09.11.2019 को हरदोई में फुजी फिल्म कैमरा वर्कशाप

15.11.2019 को बस्ती में कैनन की वेडिंग वर्कशाप

16.11.2019 को लखीमपुर में कैनन की वर्कशाप

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 3 अंक : 6 | लखनऊ, शुक्रवार, 6 दिसम्बर 2019 से 5 जनवरी 2020 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 10 रूपये

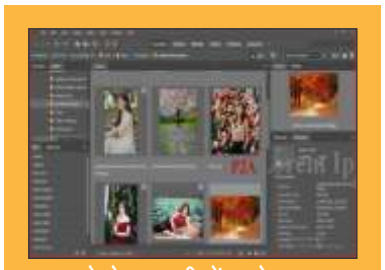

फोटोशाप सीखें - पेज 4

महान विभूतियाँ - पेज 6-7

कल्पनाओं की उड़ान - पेज 8-9

पुष्कर मेला - पेज 10-11

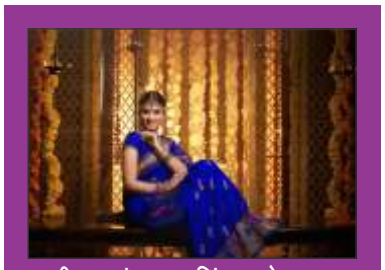

थ्री प्वाइंट लाइटिंग - पेज 14

निकॉन Z7 : नई संभावनाओं से परिपूर्ण मिररलेस कैमरा

निकॉन मिररलेस कैमरा नई इमेजिंग संभावनाओं के लिए खासतौर पर डिजाइन किया गया है। इसका जेड माउंट सिस्टम एक मिररलेस कैमरे से कुछ ज्यादा ही है। स्टिल व मूवी में बेजोड़ क्वालिटी की बढ़ती मांग के कारण निकॉन ने अपने वर्षों के अनुभव से जेड माउण्ट को बनाया है। 55-एमएम इंटरनल डायामीटर व छोटे 16-एमएम फ्लैंज फोकल डिस्टेंस के साथ सिस्टम के बड़े लेंस माउंट में छिपा है इसका राज़। लेंस के ऑप्टिकल डिजाइन में जेड माउंट लाता है विशाल फ्लैक्सिबिलिटी जो कि इमेज को बनाने में एक महत्वपूर्ण तत्व है। इसकी बदौलत निक्कॉर जेड लेंस इमेज को देते हैं अभूतपूर्व गहराई। इसके अतिरिक्त, जेड लेंस अडैप्टर के माध्यम से निक्कॉर एफ लेंस को भी उपयोग में ला सकते हैं। इसके बेहतर डिजाइन और निकॉन की विश्वसनीयता व संचालनीयता के कारण आपको विपरीत परिस्थितियों में भी पूरे आत्मविश्वास के साथ सीन कैप्चर करने देगी। स्टिल व मूवी पर बराबर का ध्यान देते हुए जेड सिस्टम एक आमंत्रण है अभूतपूर्व शार्पनेस की दुनिया में कदम रखने का। खूबसूरत इमेज व सिनेमैटिक वीडियो बनाने के शौकीन इसका लुत्फ ले सकते हैं। हाई पिक्सल काउंट कैमरे के लिए उन्नति कभी खत्म नहीं होती। निकॉन का नया जेड7, एफएक्स फॉर्मेट मिररलेस कैमरा जो छोटी बॉडी में 45.7 मेगापिक्सल से लैस है जो स्टिल व वीडियो दोनों में कोने-कोने तक की डीटेल देता है। इसके साथ ही, इसके चौड़े, 493-प्वाइंट हाइब्रिड AF सिस्टम से सटीक फोकस, और एक्स्पीड 6 इमेज प्रोसेसिंग इंजन से पहले से अधिक शार्प इमेज मिलती है।

निकॉन की विकसित ऑप्टिक्स व इमेजिंग विशेषज्ञता से लैस 3690के-डॉट क्वॉड वीजीए इलेक्ट्रॉनिक व्यूफाइंडर द्वारा स्पष्ट दृश्य और आरामदेह शूटिंग अनुभव मिलता है। 10-बिट एन-लॉग व 4K यूएचडी व 8K टाइम-लैप्स मूवी के साथ, यह वीडियो क्रिएटर्स की भी जरूरतों को पूरा करता है। इतने सारे फीचर्स एक छोटी लेकिन मजबूत बॉडी के साथ जेड 7 आपको लाजवाब इमेज की दुनिया में ले जाने का वादा करता है। रंग व शार्पनेस के साथ बेहतरीन इमेज क्वालिटी का अनुभव कीजिए जो कि आपके जीवन को देगा एक चित्रकात्मक नजरिया।

वह नजर...वह लम्हा

आइ-डिटैक्शन AF के साथ, आपका निकॉन जेड कैमरा सब्जेक्ट की आंख लॉक कर देगा भले ही वह सब्जेक्ट अकेला हो या इर्द-गिर्द भीड़ हो। किस आंख पर फोकस करना है यह आप मल्टी-सेलेक्टर से चुन सकते हैं और कैमरा उसी आंख पर फोकस करेगा भले ही आंख थोड़ी अस्पष्ट सी क्यों न दिख रही हो।

विशाल रूप से रचना करें

अल्ट्रा-वाइड ऑटोफोकस (AF) के साथ शार्प रहें जो कि करीब 90 फीसद फ्रेम को कवरेज देता है। साथ में है निकॉन जेड माउंट लेंस की फोकसिंग क्षमता।

खुल कर फोकस करें

AF सिस्टम मूवमेंट को तुरंत स्पॉट कर लेते हैं। छोटा व तेज-चलने वाला सब्जेक्ट भी किसी भी रोशनी में ट्रैक हो जाता है। आप पिनप्वाइंट AF मोड का इस्तेमाल एकदम छोटी व बारीक डीटेल के लिए कर सकते हैं।

स्टिल हो या 4K मूवी हो, इमेज क्वालिटी अल्ट्रा-वाइड लाइट-सेंसिटिविटी

रेंज में साफ रहती है। आप तेज सूरज की रोशनी में भी लाजवाब टोन प्राप्त कर सकते हैं, साथ ही कम रोशनी में भी हर संभव डीटेल मिलती है।

वाइब्रेशन में कमी

इन-कैमरा फाइव - एक्सिस ऑप्टिकल वाइब्रेशन रिडक्शन (VR) पांच दिशाओं में कैमरा शेक यानि कैमरे के हिलने पर ठीक करता है। स्टिल शार्प रहते हैं और वीडियो स्थिर रहता है।

मंत्रमुग्ध एक्शन

फुल फ्रेम 4K/UHD मूवी 30P पर रिकॉर्ड करें। 120P तक फुल HD मूवीज़ के साथ पाएं दिलचस्प स्लो-मोशन। आप 4K व फुल HD में फिल्मिंग के साथ आसानी से स्टिल फ्रेम कैप्चर कर सकते हैं।

हाई रिज्यॉल्यूशन

8K से ओवरसैंप्लिंग देता है 4K फुटेज शानदार सुंदरता व डीटेल। तेज एक्स्पीड 6 प्रोसेसर सुंदर साफ फाइल, गड़बड़ रंग न हो, इत्यादि सुनिश्चत करता है।

10-बिट एन-लॉग

कैरेक्टर क्रिएट करें। 10-बिट डेप्थ पर रिकॉर्ड करें और सामान्य 8-बिट रिकॉर्डिंग के मुकाबले 4X अधिक जानकारी पुनः प्राप्त करें, यह आपको देगी अधिकतम इमेज क्वालिटी एडिटिंग व ग्रेडिंग। सामान्य ग्रेडिंग कम्पनसेशन के साथ स्टैंडर्ड इमेज देखने के लिए व्यू असिस्ट एक्टिवेट करें।

एक्टिव डी-लाइटिंग

लाइट को बैलेंस करें। इन-कैमरा एक्टिव डी-लाइटिंग हाई-कंट्रास्ट सीन में रोशनी व परछाई संतुलित करता है।

नई दुनिया रचें

4K व 8K टाइम-लैप्स स्मूथ एक्सपोजर ट्रांसिशन के साथ आप बना सकते हैं 4K/UHD टाइम-लैप्स सीक्वेंस इन-कैमरा। सेंसर का 45.7 सशक्त मेगापिक्सल आपको इंटरवल टाइमर शूटिंग के दौरान स्टिल कैप्चर के प्रयोग से, लाजवाब 8K टाइम-लैप्स मूवी एक पोस्ट में बनाने का अवसर देता है।

कीमत : (MRP)

बॉडी : ₹ 2,30,450/-

बॉडी+ 24-70 एमएम लेंस : ₹ 2,71,450/-

बॉडी+ 24-70 एमएम लेंस + माउण्ट एडाप्टर FTZ : ₹ 2,82,950/-

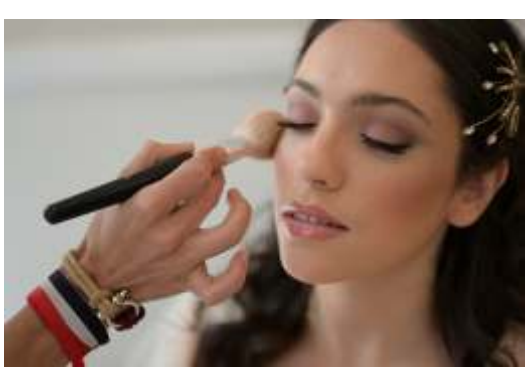

घर बैठे फोटोशॉप सीखें

राजेन्द्र प्रसाद
ARPS (LONDON), FICS (USA)
HON FSAP (INDIA), ASIIPC (INDIA)
डिजिटल इमेजिंग डिवीजन इंडिया इंटरनेशनल फोटोग्राफिक काउंसिल नई दिल्ली के अध्यक्ष
Blog - https://digicreation-blogspot-com/

(भाग-3)

फोटोशॉप ट्यूटोरियल के इस भाग में मैं आपको एडोबी ब्रिज के बारे में बतलाने जा रहा हूँ। एडोबी ब्रिज का नाम यदि आपने नहीं सुना हो तो कोई आश्चर्य की बात नहीं, बहुत से फोटोशॉप इस्तेमाल करने वालों को भी यह पता ही नहीं होता कि एडोबी ब्रिज फोटोशॉप के साथ मुफ्त में दिया जाता है। चूंकि उन्हें इसके बारे में पता नहीं होतो तो वे इसका उपयोग भी नहीं करते। एक समय ऐसा भी था जब स्टोरेज मीडिया की क्षमता कम होती थी और वे महगें होते थे इसलिए उस समय सीमित संख्या में तस्वीरें खींची जाती थी पर आज स्टोरेज मीडिया के सस्ते होने के कारण एक शादी में हजारों तस्वीरें खींचना सामान्य है, ऐसी हालत में आपको एक फोटो मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर की जरूरत होती है जिसकी सहायता से आप अपने फोटोग्राप्स की फाइलिंग कर सकें, और आवश्यकता अनुसार उन्हें जल्दी खोज सके। फोटोग्राफर्स की इसी जरूरत को देखते हुए एडोबी ने ब्रिज नामक फोटो मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर मुफ्त में देना शुरू किया। ब्रिज आपके ऑपरेटिंग सिस्टम के फाइल ब्राउज़र से मिलता जुलता सॉफ्टवेयर है पर इसमें और भी अधिक विशेषताएं होती है। एडोब ब्रिज का उपयोग फ़ाइलों को व्यवस्थित करने के लिए किया जाता है यहाँ फाइलों को रंगीन लेबल या स्टार रेटिंग लगाते हैं और उनकी मेटाडेटा, कीवर्ड या एक्सएमपी/आईपीटीसी सूचना के आधार पर उन्हें सॉर्ट या वर्गीकृत कर सकते हैं और समय आने पर आप उन्हें तुरंत खोज सकते है।

इस ट्यूटोरियल में, हम एडोब ब्रिज के हर एक फीचर को कवर नहीं करेंगे। इसके बजाय, हम उन आवश्यक विशेषताओं को देखेंगे जिन्हें आपको जानना आवश्यक है ताकि आप अपने ऑपरेटिंग सिस्टम के फ़ाइल ब्राउज़र को अलविदा कह सकें और ब्रिज इस्तेमाल कर अपनी छवियों को खोल सकें।

एडोब ब्रिज सीसी कैसे इनस्टॉल करें

फ़ोटोशॉप CS6 और इससे पहले, एडोब ब्रिज फोटोशॉप के साथ अपने आप इनस्टॉल हो जाता था। लेकिन जबसे एडोब ने सब कुछ क्रिएटिव क्लाउड में बदल दिया

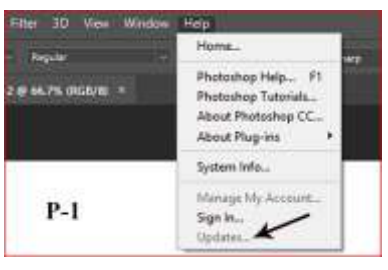

है, तो अब ऐसा नहीं होता। ब्रिज अभी भी प्रत्येक क्रिएटिव क्लाउड सदस्यता के साथ मुफ्त में दिया जाता है लेकिन इसको अलग से डाउनलोड कर इनस्टॉल करना पड़ता है।

ब्रिज सीसी इनस्टॉल करने के लिए हम क्रिएटिव क्लाउड ऐप का उपयोग हैं। क्रिएटिव क्लाउड ऐप खोलने के लिए, स्क्रीन के शीर्ष पर मेनू बार में हेल्प मेनू पर जाएं और अपडेट चुनें स्क्रीनशॉट-P1 और उसमें ब्रिज खोजकर उसे डाउनलोड कर इनस्टॉल कर लें। अगर आप पुराने वर्जन के फोटोशॉप का उपयोग कर रहे हैं तो हो सकता है एडोबी ब्रिज पहले से ही लोड हो इसलिए पहले इसकी जांच कर लें।

एडोब ब्रिज कैसे खोलें

फ़ोटोशॉप से ब्रिज को खोलने के लिए फ़ोटोशॉप के फ़ाइल मेनू पर जाएं और ब्राउज़ इन ब्रिज चुनें स्क्रीनशॉट-P2। ऐसा करने से ब्रिज का इंटरफ़ेस आपके स्क्रीन पर खुल जायेगा, ब्रिज पैनलों के संग्रह से बना है। जैसे छवियों को देखने के लिए पैनल हैं, छवियों के बारे में अतिरिक्त जानकारी देखने के लिए पैनल, फ़िल्टर पैनल आदि जैसा स्क्रीनशॉट-P2A में आप देख रहे हैं।

ब्रिज का उपयोग करके अपनी फोटोग्राफ्स खोजना

ब्रिज में अपनी छवियों को खोजने के लिए, हम फ़ोल्डर पैनल का उपयोग करते हैं। यह पैनल ब्रिज के इंटरफ़ेस ऊपर बाईं ओर मिलेगा। फ़ोल्डर पैनल का उपयोग करने के लिए फ़ोल्डर टैब पर क्लिक करें। फ़ोल्डर पैनल आपके कंप्यूटर के फ़ोल्डर्स को प्रदर्शित करता है जो हमारे डेस्कटॉप और हमारे कंप्यूटर की हार्ड ड्राइव जैसी मुख्य डायरेक्टरी से शुरू होता है।

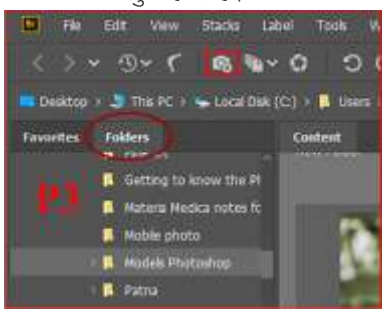

एक फ़ोल्डर या निर्देशिका के नाम के बाईं ओर एक त्रिकोण का अर्थ है कि इसके अंदर उप-फ़ोल्डर हैं। फ़ोल्डर को खोलने और उसके उप-फ़ोल्डर्स को देखने के लिए त्रिकोण पर क्लिक करें। जब तक आप अपनी छवियों को रखने वाले तक नहीं पहुंचते तब तक अपने फ़ोल्डरों के माध्यम से अपना रास्ता बनाते रहें। किसी फ़ोल्डर के अंदर की छवियों को देखने के लिए फ़ोल्डर पैनल में फोटोग्राफ के नाम पर क्लिक करें। अगर आप अपने कार्ड कैमरे से फोटो खोलना चाहते है तो इंटरफ़ेस में ऊपर कैमरे के आकर वाले आइकॉन को क्लिक करें। इसके बारे में विस्तार से इसी ट्यूटोरियल में आगे बतलाया गया है। ब्रिज इंटरफ़ेस के मध्य में Content Panel में फ़ोल्डर के कंटेंट दिखाई देती है। स्क्रीनशॉट-P3 में आप देख सकते है कि मेरे फ़ोल्डर में छह छवियां हैं,

प्रत्येक को थंबनेल के रूप में Content Panel में आप देख सकते है।

थंबनेल का आकार बदलना

Content Panel में डिफ़ॉल्ट रूप से, थंबनेल काफी छोटे होते हैं। हम ब्रिज इंटरफेस के नीचे दाईं ओर स्थित स्लाइडर का उपयोग करके उनके आकार को बदल सकते हैं। थंबनेल को बड़ा करने के लिए स्लाइडर को दाईं ओर खींचें या उन्हें छोटा करने के लिए बाईं ओर खींचें।

किसी फोटोग्राफ का चयन (Selection) कर उसे खोलना

एक फोटोग्राफ को सेलेक्ट करने के लिए, बस कंटेंट पैनल में इसके थंबनेल पर क्लिक करें। आपको चयनित छवि का preview ब्रिज के ऊपरी दाएँ भाग में Preview Panel में दिखाई देगा। हो सकता है आपका प्रीव्यू पैनल खुला न हो इसे खोलने के लिए आपको Preview Panel के टैब पर क्लिक करना होगा इससे आप अपने प्रीव्यू पैनल में फोटोग्राफ को देख सकते है प्रीव्यू पैनल के नीचे Metadata Panel होता है। जिससे आपको चयनित छवि के बारे में बहुत सारी अतिरिक्त जानकारी मिलेगी, जैसे एक्सपोज़र सेटिंग्स, पिक्सेल आयाम और फ़ाइल का आकार, कैमरा और लेंस का प्रकार जो उपयोग किए गए थे, सभी सूचनाओं को स्क्रॉल कर देखने के लिए दाईं ओर स्क्रॉल पट्टी का उपयोग करें। अगर आप किसी पैनल का उपयोग नहीं कर रहे हों तो उसके टैब पर क्लिक कर उसे बंद कर दे इससे आप अन्य पैनल को बड़े आकर में देख सकेंगे और आपको काम करने में आसानी होगी।

फोटोग्राफ को पूरे स्क्रीन पर देखना

कंटेंट पैनल में थंबनेल और प्रीव्यू पैनल में आपको फोटोग्राफ्स छोटे दिखाई देते हैं। हम अपनी चयनित फोटोग्राफ को पूरे स्क्रीन पर भी देख सकते हैं। बस अपने कीबोर्ड पर स्पेसबार दबाएं। स्पेसबार दबाते ही ब्रिज इंटरफ़ेस गायब हो जायेगा और उसकी जगह आपके द्वारा चुना गया फोटोग्राफ पूरे स्क्रीन पर दिखेगा। इस बड़े फोटोग्राफ से आप आसानी से उसकी फोकस, कम्पोजीशन, शार्पनेस को देखकर आप यह निश्चय कर सकते है कि उस फोटोग्राफ को आप रखेंगे या डिलीट करेंगे। फुलस्क्रीन मोड से बाहर निकलने के लिए, एक बार फिर से स्पेसबार दबाएँ आप फिर से ब्रिज में आ जायेंगे।

ब्रिज में चुने गए फोटोग्राफ को फ़ोटोशॉप में कैसे खोलें

ब्रिज में चुने गए इन फोटोग्राफ को फोटोशॉप में खोलने के लिए, कंटेंट पैनल में इसके थंबनेल पर डबल क्लिक करें। आपके द्वारा चुना गया यह फोटोग्राफ फोटोशॉप में खुल जायेगा।

एडोब ब्रिज की सहायता अपने कैमरे से तस्वीरें को डाउनलोड करना

कैमरे अथवा मेमोरी कार्ड से फोटोग्राफ को डाउनलोड करने के लिए, ब्रिज वास्तव में एक अलग, ऐप का उपयोग करता है जिसे फोटो डाउनलोडर के रूप में जाना जाता है। फोटो डाउनलोड करने के लिए कैमरे या मेमोरी कार्ड आपके कंप्यूटर से USB पोर्ट द्वारा जुड़ा होना चाहिए। फोटो डाउनलोडर खोलने के लिए, फ़ाइल मेनू (ब्रिज में) तक जाएं और Get Photos from camera विकल्प को चुने। ब्रिज इंटरफ़ेस के ऊपरी बाएँ टूलबार में कैमरा आइकन पर क्लिक करके भी आप फोटो डाउनलोडर को खोल सकते है। स्क्रीनशॉट P9 - P10.

फोटो डाउनलोडर खोलने के बाद अपनी छवियों के स्रोत का चयन करने के लिए शीर्ष पर विकल्प में से Get Photos का उपयोग करें। स्रोत या तो आपका कैमरा या मेमोरी कार्ड होगा। कभी-कभी फोटो डाउनलोडर स्वचालित रूप से आपके लिए सही स्रोत का पता लगा लेता है। यदि ऐसा नहीं होता है, तो सूची से सही स्रोत चुनें।

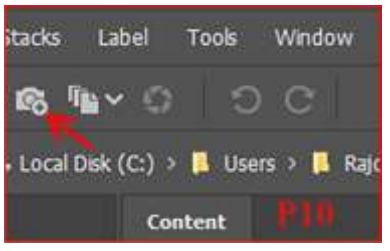

मेरे मामले में, मेरे पास मेरा मेमोरी कार्ड एक यूएसबी कार्ड रीडर के माध्यम से जुड़ा हुआ है। चूंकि मेरी तस्वीरें कैनन कैमरे से ली गई थीं, लिस्ट में कार्ड "EOS-DIGITAL" के रूप में दिखाई देता है। आपके कैमरे के निर्माता के आधार पर आपके कार्ड को कुछ अलग नाम दिया जा सकता है।

डिफ़ॉल्ट रूप से, फोटो डाउनलोडर दिखने वाले पैनल Standard पैनल होता है। Standard dialog फोटो डाउनलोडर का एक सरलीकृत संस्करण है। इसमें डाउनलोडिंग के सिमित विकल्प होते है। बेहतर होगा की आप एडवांस डायलॉग बॉक्स को खोले क्योंकि यह हमें और अधिक विकल्प देता है। एडवांस डायलॉग बॉक्स को खोलने के लिए, Standard dialog के निचले बायें तरफ स्थित एडवांस संवाद बटन पर क्लिक करें। एडवांस डाउनलोडर में आपको अपने कार्ड के फोटोग्राफ्स दिखेगे, आप जिनको डाउनलोड करना चाहते है उसे यहाँ चुन सकते हैं। फ़ाइल के नाम, दिनांक और समय के साथ प्रत्येक थंबनेल के नीचे, आपको एक चेकबॉक्स दिखाई देगा। बॉक्स के अंदर चेक वाली प्रत्येक छवि डाउनलोड की जाएगी जिन्हें आप डाउनलोड नहीं करना चाहते हैं, उन्हें अनचेक करें। बेहतर होगा कि आप सभी फोटोग्राफ्स डाउनलोड कर लें और फिर बाद में तय करें कि कौन सी फोटोग्राफ्स रखने लायक हैं।

एडवांस डायलॉग बॉक्स के दाए भाग में आपको सेव ऑप्शन यह सुविधा देता है कि आप अपने फोटोग्राफ तो नया नाम दे सके। हम डायलॉग बॉक्स के दाएँ ऊपरी भाग के ऑप्शन में यह निर्धारित कर सकते है कि हमारे फोटोग्राफ्स कहाँ सेव किया जाए। डायलॉग बॉक्स के दाएँ निचले भाग में save copies जब नामक एक ऑप्शन आपको दिखाई देगा इसकी सहायता से आप अपने फोटोग्राफ्स की एक कॉपी किसी दूसरे जगह पर सेव कर सकते हैं। अपनी छवियों का बैकअप लेने का यह एक शानदार तरीका है। अपनी छवियों को सेव करने के लिए जब भी संभव हो, एक अलग बाहरी हार्ड ड्राइव को चुनें। इस तरह, यदि एक हार्ड ड्राइव फेल हो जाता है, तो आपके पास दूसरे ड्राइव पर आपके फोटोग्राफ्स की एक प्रति होगी।

फोटोग्राफ के साथ रेटिंग और लेबल जोड़ना

ब्रिज में अपनी फोटोग्राफ को क्रमबद्ध करने का एक तरीका स्टार रेटिंग द्वारा है। ब्रिज में वन-टू-फाइव-स्टार सिस्टम का उपयोग करके अपनी छवियों की रेटिंग्स कर सकते है। एक फोटोग्राफ जिससे आप पूरी तरह से संतुस्ट हैं, उसे आप पांच स्टार दे सकते हैं, जबकि एक और फोटोग्राफ जो ठीक है लेकिन उसपर काम की जरूरत है को केवल एक स्टार दे सकते हैं। अन्य छवियां जो आपको अच्छे नहीं लग रहे हैं को कोई स्टार नहीं मिल सकता है या उसे "रिजेक्टेड" के रूप में लेबल कर सकते हैं। अपने फोटोग्राफ्स को आप यहाँ आप कलर लेवल भी दे सकते है जिससे बाद में इन्हे चुनने में सुविधा हो। रेटिंग देने के लिए आप ब्रिज के लेवल मेनू को खोले (Screen shot 8) और अपनी मनचाही रेटिंग पर क्लिक कर दें। रेटिंग पर क्लिक करने के बाद आप उस फोटोग्राफ को देखेंगे तो उसके नीचे आपकी दी गई रेटिंग दिखेगी।

ट्यूटोरिअल के इस भाग में आपने एडोबी ब्रिज के बारे में जानकारी प्राप्त की। इन जानकारियों को अपना बनाने के लिए आप ब्रिज खोलकर आप उसके प्रत्येक पैनल और मीनू को खोलकर देखे। ब्रिज की सहायता से अपने कैमरे के फोटो को डाउनलोड करे और उनके थंबनेल को बड़ा या छोटा करने की प्रैक्टिस करे। स्पेस बार दबाकर अपनी चुनी तस्वीर को पूरे स्क्रीन पर देखे। इसके बाद आप इनको स्टार रेटिंग करके देखे। इस अंक में इतना ही, अगले अंक में फिर आपसे मुलाकात होगी ,तब तक के लिए अलविदा।

STUDIO NEWS
लखनऊ, शुक्रवार, 6 दिसम्बर 2019 से 5 जनवरी 2020

फोटोग्राफी कोई खेल नहीं जिसमें नियम हो। तरीका चाहे जो हो लेकिन यहाँ मायने केवल नतीजे रखते हैं। -बिल ब्रांडेट

Canon
Delighting You Always

वेडिंग फोटोग्राफर्स के लिए कैनन लाया है तीन RF लेंस

RF15-35mm

RF24-70mm

RF70-200mm

EOS R सिस्टम की पूरी क्षमता को दिखाने के लिए कैनन RF लेंस की सीरीज लेकर आया है। RF लेंस वृहद से टेलीफोटो तक पूरी रेंज को बेहतर कार्यशैली, खासियतें और बेहतर इमेज की गुणवत्ता की क्षमता के साथ कवर करता है।

हाल ही में कैनन द्वारा लॉन्च किए गए तीन RF लेंस वह लाइनअप हैं जो वेडिंग फोटोग्राफर्स के लिए उचित है, जो वैवाहिक कार्यक्रम, प्री-वेडिंग शूट के दौरान वाइड एंगल आउटडोर इमेज को शूट करते हैं। अब RF15-35mm f/2.8L IS USM, RF24-70mm f/2.8L IS USM, और RF70-200mm f/2.8L IS USM की रिलीज के साथ, EOS R और EOS RP उपयोगकर्ता RF माउंट ट्रिनिटी (तीन) से बेहतर की उम्मीद कर सकते हैं, जो देता है उच्च इमेज गुणवत्ता। किसी भी वेडिंग फोटोग्राफर के बैग में यह RF लेंस ट्रिनीटी का होना अनिवार्य है।

RF 15-35mm F2.8L IS USM

RF 15-35mm F2.8L IS USM लगातार अधिकतम f/2.8 अपर्चर के साथ जो कि अनुकूल जूम रेंज है और वाइड व उसी लेंस में 1mm ज्यादा लिये, यह प्री वेडिंग समारोह के पोट्रेट शूट करने के लिए महत्वपूर्ण अंतर है।

पूरी व मध्य शरीर की पोट्रेट तथा सामूहिक पोट्रेट लेने के लिए पोट्रेट व वेडिंग फोटोग्राफर्स 35mm फोकल लेंथ को काफी पसंद करते हैं।

अल्ट्रा वाइड एंगल इमेज के किनारों पर जो दिक्कतें दिखती हैं वह बेहतर तरह से कंट्रोल हो जाती हैं और लगता ही नहीं कि इमेज को 15mm पर शूट किया गया है।

वेडिंग शूट के बाद शार्प इमेज पहुंचाना हर हाल में अनिवार्य होता है, RF15-35mm F2.8L IS नैनो USM से स्टिल शूट के लिए हाई स्पीड ऑटो फोकस और मूवी के लिए स्मूथ ऑटो फोकस देता है।

35mm फोकल लेंथ अपनी सामान्य उपयोगिता, वाइड अपर्चर और इमेज स्टैबलाइजेशन 5 स्टॉप तक व 0.50x(1:2) मैक्रो क्षमता के लिए जाना जाता है। RF15-35mm f/2.8L IS USM छोटा और हल्के वजन का है जिसे साथ रखकर टहलना बेहद आसान है।

RF24-70mm F2.8L IS USM

RF 24-70mm F2.8L IS USM लेंस f/2.8 अधिकतम अपर्चर के साथ, पूरी जूम रेंज में रहने वाला एक प्रोफेशनल स्टैंडर्ड जूम लेंस है जो इमेज के किनारों को खूबसूरती से शार्प करता है। ऐसी फोकल लेंथ वाला लेंस जो कि वेडिंग फोटोग्राफर्स को ग्रुप शूट 24mm पर और टाइट पोट्रेट 70mm पर लेने की सहूलियत देता है।

संकरे अपर्चर पर भी, 9 ब्लेड घुमावदार अपर्चर डायाफ्राम से सुंदर व गोल बोकेह पा सकते हैं। सबसे नजदीकी फोकस दूरी है 0.21m RF24-70mm f/2.8L IS USM जो कि अपने समकक्ष EF लेंस से छोटी है। यह शादी में ज्वैलरी, फूल, खाने की सजावट इत्यादि जैसे शूट करने के लायक बनाती है।

RF70-200 mm F2.8L IS USM

RF70-200mm f/2.8L IS USM, एक छोटा और हाई स्पीड टेलीफोटो लेंस, प्रोफेशनल वेडिंग फोटोग्राफर्स के पास तो यह होना ही चाहिए जिन्हें तेज, प्रोफेशनल क्वालिटी टेलीफोटो जूम लेंस सुपीरियर मोबिलिटी चाहिए।

सामान्य रूप से शादियां अनप्रिडिक्टिबल यानि कि अप्रत्याशित होती हैं। फोटोग्राफर्स को कई क्षणों को अपने कैमरे में कैद करना होता है फिर चाहे वह कोई फास्ट मूविंग सब्जेक्ट हो, डार्क सीन या फिर कम शटर स्पीड में हैंड हेल्ड शूट करना हो। 5 स्टॉप इमेज स्टैबलाइजेशन से कैमरे के हिलने पर हुए असर यानि की शेक को ठीक करती है, इससे फोटोग्राफर्स द्वारा हाथ में कैमरा थाम कर शूट करने की संभावना बढ़ जाती है।

लेंस में दो नैनो USM हैं, जिनमें स्टिल शूटिंग के दौरान न केवल हाई-स्पीड AF की क्षमता है बल्कि यह बड़े लेंस के साथ वीडियो शूट करने में भी बेहतरीन हैं। लेंस इस प्रकार से डिजाइन किए गए हैं कि इनमें हवादार रूट हैं, यह रूट धूल प्रतिरोधी हैं, यह हवादार तो हैं पर नमी नहीं होने देते। इससे यह सुनिश्चित रहता है कि लेंस धूल व नमी से बचे रहें।

तीनों लेंस में समानता :

- व्यू फाइंडर में देखते हुए टीवी / AV / ISO / एक्सपोजर कंपनसेशन की सेटिंग में सीधे बदलाव के लिए कंट्रोल रिंग।
- फोकल लेंथ की परवाह किए बिना उसी वाइड अपर्चर पर शूट करना, पूरे जूम रेंज पर f/2.8 अपर्चर पर।
- इसका 9 ब्लेड का घुमावदार अपर्चर जो कि देता है सुंदर गोल बोकेह।
- नैनो USM द्वारा संचालित AF सिस्टम, स्टिल व वीडियो शूट के लिए अनुकूल है।
- पांच स्टॉप इमेज स्टैबलाइजेशन (IS) शेक यानि कैमरे के हिलने पर इमेज पर आने वाले असर को ठीक करने के लिए।
- धूल व मौसम प्रतिरोधी डिजाइन।

Marketing

महान विभूतियाँ

डॉ. जेम्स सुंदर मूर्ति

FFIP, Hon.FSoF, IIPC- Platinum

(1937 - 2019)

डॉ. जेम्स सुंदर मूर्ति

डॉ. जेम्स सुंदर मूर्ति का जन्म 20 जून, 1937 को कर्नाटक के तुम्कूर में हुआ था। बचपन में वह अपने पिता श्री बी.जे. चिंतामणि को कोडैक बॉक्स कैमरा इस्तेमाल करते हुए बड़े गौर से निहारते थे, वह देखते थे कि कैसे उनके पिता फिल्म प्रोसेस करते हैं और डार्करूम में किस प्रकार कार्य करते हैं। उस वक्त डॉ. मूर्ति को तस्वीरें किसी जादू से कम नहीं लगती थीं। अपने पिता की मदद से, उनके मार्गदर्शन से और अपने जज्बे से डॉ. मूर्ति ने आगे जाकर क्रिएटिव फोटोग्राफी में अलग एक पहचान हासिल की।

जेम्स सुंदर मूर्ति जब नवयुवक थे तभी उन्होंने सन 1954 में जबलपुर आकर अपनी प्रतिभा को निखारना शुरू कर दिया था। उसी आत्मविश्वास से उन्हें राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फोटोग्राफी की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने का हौसला मिला।

सन 1968 में पश्चिम बंगाल की मुर्शीदाबाद फोटोग्राफिक सोसाइटी से उन्हें पहला मेडल मिला। उनके अद्भुत रूपांकन कनाडा के टोरंटो की 86वीं अंतरराष्ट्रीय कलर स्लाइड प्रतियोगिता व जर्मनी में लीका की 50वीं वर्षगांठ कलर स्लाइड प्रतियोगिता में प्रदर्शित की गई।

भारत में डॉ. मूर्ति की आकर्षक तस्वीरों ने तमाम पुरस्कार जीतने शुरू कर दिए। 1969 में बंगाल फोटोग्राफिक एसोसिएशन द्वारा ऑल इंडिया फोटोग्राफिक सैलून, 2000 में लखनऊ में टी काशीनाथ मैमोरियल अवॉर्ड, भारत सरकार की सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के फोटो डिविजन द्वारा अवॉर्ड, कलकत्ता में 2001 में एग्रो हॉर्टिकल्चर सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा बेस्ट एंट्रैंड का अवॉर्ड, इत्यादि।

उनके तमाम रूपांकन दिल्ली ललित कला अकादमी द्वारा आयोजित की गई पहली फोटो प्रतियोगिता के कैटॉलॉग में प्रकाशित हुई। 2005-2008 में फोटोलवर्स ऑफ इंडिया स्लाइड सर्किट इंदौर व हॉरिज़न इंडिया, अंतरराष्ट्रीय सर्किट, लखनऊ आदि में भी उनका कार्य सराहा गया।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा का स्वागत करते डॉ. जेम्स सुंदर मूर्ति

पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर जी द्वारा राष्ट्रीय भारतेन्दु हरिश्चंद्र पुरस्कार प्राप्त करते डॉ. जेम्स सुंदर मूर्ति

2005 में डॉ. मूर्ति को फेलोशिप ऑफ फेडरेशन ऑफ इंडियन फोटोग्राफी ऑनर से सम्मानित किया गया। डॉ. जे.एस. मूर्ति ऑल इंडिया सैलून ऑफ फोटोग्राफी 2007 - फोटोग्राफी सोसाइटी ऑफ इंडिया, मुम्बई द्वारा आयोजित में ज्यूरी सदस्य भी रहे। 1936 में स्थापित की गई पीएसआइ सबसे पुराने भारत की फोटोग्राफिक क्लब में से एक है।

1997 में जबलपुर में आए भूकंप पर प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया व यूनाइटेड न्यूज ऑफ इंडिया जो कि भारत की बड़ी न्यूज एंजेसीज मानी जाती हैं, ने डॉ. मूर्ति की खबरें व तस्वीरें रिलीज की थीं।

जनरल बोर्ड ऑफ ग्लोबल मिशन द्वारा 1997 में ऑफिशियल प्रकाशन "न्यू वर्ल्ड आउट लुक" जो कि न्यू यॉर्क से पब्लिश होती थी, इसके लिए उन्हें 10 साल की अवधि में कई कार्यक्रम करने का मौका मिला।

डॉ. जेम्स मूर्ति एक गुणी व रचनात्मक लेखक व वक्ता थे। वह जबलपुर विश्वविद्यालय के कम्यूनिकेशन विभाग में रीडर थे। वह जबलपुर के सेंट एलॉयसियस कॉलेज व हवाबाग़ महिला कॉलेज में भी शिक्षक थे।

STUDIO NEWS
लखनऊ, शुक्रवार, 6 दिसम्बर 2019 से 5 जनवरी 2020

कैमरा आंखों से अधिक देख लेता है, तो क्यों न इसका इस्तेमाल करें? -एडवर्ड वेस्टलन

डॉ. मूर्ति नियमित रूप से कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय जर्नल में योगदान देते थे जैसे कि पीपल्स रिपोर्टर, एनसीसी रिव्यू, इंडियन विटनेस इत्यादि।

डॉ. मूर्ति अपने पीछे अपनी बेटी, डॉ. मैरी डिक्रूज, दामाद कैप्टन नोएल डिक्रूज, तीन ग्रैण्ड सन और बहुत अभिन्न मित्रों को छोड़ गए हैं जो उन्हें उनके प्रेम, उत्साही गुणों के लिए हमेशा याद करते रहेंगे।

डॉ. मूर्ति एक बहुत ही भले व ज़मीन से जुड़े व्यक्ति थे। हमेशा मुस्कुराते रहते थे। बहुत प्यार से बात करते थे और ईश्वर पर काफी भरोसा रखते थे। मेरे साथ उनके ताल्लुक बहुत खास थे। यूं तो वह मेरे पिता की उम्र के थे और इत्तेफाक से डॉ. मूर्ति और उनकी पत्नी दोनों की ही मेरे पिता से बहुत अच्छी मित्रता थी लेकिन मेरी उनसे 1994 में मुलाकात हुई जब मैं जबलपुर एक कार्यक्रम में सम्बन्ध में गया था। मैं यहां एक बहुत निजी बात साझा कर रहा हूं कि वह सदैव मुझे अनिल साहब कहकर पुकारते थे। मैं उनसे बहुत छोटा था लिहाजा मैंने उनसे कई बार गुज़ारिश की कि मुझे साहब न बुलाया करें, लेकिन उन्होंने मेरी कभी सुनी नहीं।

बाद में वह कोलकाला चले गए और अपनी बेटी-दामाद के साथ रहने लगे, डॉ मेरी डीक्रूज़ और कैप्टन नोएल डीक्रूज़। मैं जब भी कोलकाता जाता उनसे मुलाकात करता और वह मुझे हमेशा किसी स्पेशल रेस्त्रां में खाना खिलाते, डॉ. मूर्ति को अच्छा खाना खाने और खिलाने का बहुत शौक था। व्यूफाइंडर के लिए लिखे मेरे एडिटोरियल बहुत पसंद थे उन्हें। अंग्रेजी में वह खुद बेहद कुशल थे और लिखने में उनकी कोई तुलना ही नहीं थी।

डॉ. मूर्ति फिल्म मेकिंग में भी कुशल थे और थिएटर एवं संगीत में भी काफी रूचि रखते थे। मनीला के एक संस्थान से उन्होंने फिल्म मेकिंग की खास ट्रेनिंग ली हुई थी। वह फोटो-जर्नलिज्म में अधिक दिलचस्पी लेते थे- जबलपुर में 1997 में आए भूकंप की उनकी तस्वीरें पीटीआइ व रॉइटर्स ने इस्तेमाल की थीं। वह भूकंप की जगह पर सुबह पांच बजे ही पहुंच गए थे, तब शायद ही वहां कोई पहुंच पाया था।

27 अक्टूबर, 2019 में कोलकाता में डॉ. मूर्ति का निधन हो गया। वह 82 वर्ष के थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनके साथ मेरी बहुतेरी प्यारी यादें हैं, जब मैं कोलकाता आया था अंतिम बार उनसे मुलाकात हुई थी, वह यादें आज भी मेरे ज़ेहन में ताजा हैं, और हमेशा रहेंगी।

अनिल रिसाल सिंह
MFIAP (France), ARPS (Great Britain), Hon.FIP (India), Hon.LCC (India), FFIP (India), AIIPC (India), Hon.FSoF (India), Hon.FPAC (India), Hon.TPAS (India), Hon.FSAP (India), Hon.FICS (USA), Hon.PSGSPC (Cyprus), Hon.FPSNJ (America), Hon. Master-TPAS (India), Hon. Master-SAP (India), Hon.FWPAI (India), Hon.FGGC (India), Hon.GA-PSGSPC (Cyprus)
पूर्व अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इण्डियन फोटोग्राफी

कल्पनाओं की उड़ान ... जो कभी नहीं किया वह अब कीजिए

मुकेश श्रीवास्तव

FIE, FFIP, EFIAP

इंजीनियर, फोटोग्राफर, लेखक,
पूर्व निदेशक (ई), भारत सरकार
निदेशक, सेण्टर फॉर विजुअल आर्ट्स
निकॉन मेण्टर (2015-2017)
एवं अध्यक्ष, धनबाद कैमरा क्लब

आज के समय में हर ग्राहक या निर्णायक नए विचार और संकल्पना देखते हैं। बिना सोचे समझे कभी मत क्लिक कीजिए। किसी नए कॉन्सेप्ट की कल्पना जरूरी है, उसे किसी कागज पर भी लिखें। अंतिम शूट से पहले उसकी योजना बना लें, चाहे वह केवल पोट्रेट हो, प्री-वेडिंग शूट हो, वेडिंग शूट हो, लैंडस्केप हो, स्ट्रीट लाइफ, फोटो जर्नलिज्म या फिर वाइल्डलाइफ ही क्यों न हो। वरिष्ठ फोटोग्राफरों के कार्यों को गहनता से देखें व समझें और फिर अपना काम करें। दूसरों से प्रेरणा लेना अच्छा है लेकिन किसी का आइडिया कॉपी न करें। तभी आप फोटोग्राफी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन दे पाएंगे और अन्य फोटोग्राफर्स से अलग पहचान बना पाएंगे।

नए कॉन्सेप्ट पर काम करने के लिए आपको इन बातों में महारथ हासिल करनी होगी :-

1. अपने कैमरे के फीचर्स को समझें।
2. परफेक्ट फ्रेम के लिए सही लेंस का इस्तेमाल करें।
3. फील्ड की गहराई के लिए सही अपर्चर और शटर स्पीड सेटिंग प्रयोग करें।
4. लाइटिंग की समझ विकसित करें।
5. बैकग्राउंड को समान महत्व दें।
6. फ्रेम क्लिक करने के बजाए किसी कलाकार व चित्रकार की तरह फ्रेम खुद क्रिएट करें।
7. इमेज की प्राकृतिक खूबसूरती के लिए एडिटिंग के सही तरीके समझें।

जिन्हें कभी क्लिक नहीं किया उन्हें कैमरे में कैद करें इन टिप्स द्वारा

1. नए विचारों की कल्पना करें।
2. एक रफ स्केच बनाएं और लाइटिंग, बैकग्राउण्ड, कॉस्ट्यूम, व्यवस्थाओं इत्यादि के बारे में लिखें।
3. कैमरे की तकनीकों के साथ रचनात्मक रूप से प्रयोग करें।
4. गूगल पर इमेज खोजें लेकिन कभी आइडिया कॉपी न करें, केवल प्रेरणा लें।
5. लाखों कॉन्सेप्ट हैं जिनपर सोचा व कार्य किया जा सकता है।

यहां अपने कुछ कॉन्सेप्ट के बारे में बताएंगे और उन कार्यों के बारे में भी जिन्हें पहले कभी नहीं किया था

आर्ट ऑफ वाइन ग्लास

2009 में वाइन ग्लास से आर्ट करने का ख्याल आया। मैंने योजना बनाई और अपनी गुरू Susan जो कि हॉलैंड से, कुछ तकनीकी जानकारियां ली। मैंने उनका काम देखा और अपना बनाने में जुट गया। यहां पर मुख्य तकनीक है कि कम्प्यूटर मॉनिटर को रोशनी का माध्यम बनाया गया है। बाकी यह आपकी रचनात्मकता पर है कि आप किस तरह ग्लासों को अरेंज करतें हैं कि कई प्रकार के फ्रेम मिल पाएं। (Fig. 1, 2 व 3 देखिए)

Fig. 1

Fig. 2

Fig. 3

पानी के अंदर यानि अंडर वॉटर फैशन शूट

यह नया नहीं है, लेकिन मैंने सोचा कि पानी के अंदर फैशन को अपने हिसाब से शूट करूं। आठ हजार से 80 हजार तक की वॉटर प्रूफ केसिंग मार्केट में उपलब्ध है। मैंने अपने निकॉन डी800ई के लिए 8 हजार की केसिंग ली थी। लेकिन जब से मार्केट में गोप्रो आ गया है तब से पानी के अंदर 30 फीट की गहराई तक शूट करना सुरक्षित है।

यहां मैं प्रिया झा को शुक्रिया कहना चाहूंगा कि वह बतौर मॉडल हमारे साथ जुड़ीं। (Fig. 4, 5 व 6 देखिए)

Fig. 4

Fig. 5

Fig. 6

मिल्की बाथ : 2017 के समय हमारे देश के लिए यह एकदम नया कॉन्सेप्ट था। यह आप पर ही है कि आप सही कॉस्ट्यूम चुने और अपना क्रिएटिव ऐसा बनाएं जो कभी किसी ने न देखा हो। मिल्की बाथ में सहयोग के लिए प्रिया झा, प्रीति घोषाल एवं सौम्या सिंह को धन्यावद। (Fig. 7, 8 व 9 देखें)

Fig. 7

Fig. 8

Fig. 9

हनी बाथ: 2017 का एकदम नया कॉन्सेप्ट लेकिन मॉडल से असली हनी बाथ करवाना बहुत ही कठिन कार्य होता है। हम प्रिया झा के शुक्रगुज़ार हैं कि वह यह चुनौती स्वीकार कर इस शूट के लिए आगे आईं। (Fig. 10, 11 व 12 देखिए)

Fig. 10

STUDIO NEWS
लखनऊ, शुक्रवार, 6 दिसम्बर 2019 से 5 जनवरी 2020

स्थिर क्षण की कला है फोटोग्राफी...संवेदनाओं को बटोर कर फ्रेम के भीतर ही समेट लेने की कला है फोटोग्राफी -अनजान

Fig. 11

Fig. 12

फैशन में यूनीक कॉस्ट्यूम का प्रयोग

फैशन व ग्लैमर में खुद के डिजाइन किए हुए कपड़ों से आपका क्लिक दूसरों से अलग लगता है। ऐसे कपड़ों का प्रयोग करें जो कभी किसी ने इस्तेमाल नहीं किए हों। कॉस्ट्यूम का रफ स्केच बनाएं और सिलवाएं। मैंने कॉस्ट्यूम के तौर पर बोरी ली। अपना यह कॉन्सेप्ट मैंने अपनी पत्नी रितु श्रीवास्तव से जब शेयर किया तो उन्होंने उसे वैसा ही सिला जैसा मैं चाहता था। अपनी मॉडल विरॉनिका एलफ्रेड को शुक्रिया कहना चाहूंगा जिन्होंने बेहतरीन पोज किया। (Fig. 14 व 15 देखें)

अपने अधिकतर ग्लैमर शूट में मैंने साड़ी व स्कार्फ का इस्तेमाल किया है अलग ढंग से रैप कर के। Fig. 13 देखिए, ग्लैमरस फोटोग्राफी में साड़ी के रचनात्मक प्रयोग का सटीक उदाहरण है। (Fig. 13, 14 व 15 देखिए)

Fig. 13

पुष्कर मेले का फैशन शूट-

मैं लगभग हर साल पुष्कर मेला जाता हूं। इस साल मैंने सोचा कि वह करूं जो कभी नहीं किया। मैंने पुष्कर मेले में फैशन शूट की योजना बनाई।

Fig. 14

Fig. 15

मैंने उन जगहों की रेकी की जहां बहुत अधिक भीड़ नहीं होती और जहां फैशन शूट हो सकता है। मैंने अपना यह प्लान अपने फोटोग्राफर मित्र शौकत अहमद को बताया। शौकत टाइम्स ऑफ इंडिया में फोटो जर्नलिस्ट हैं। उन्होंने मुझे एकदम सही मॉडल से मिलवाया, तेजस्विनी गौतम, वह ओडिशी डांसर हैं और पुष्कर की ही रहने वाली हैं। मैं पहले तेजस्विनी गौतम के घर गया और उनसे अपने आइडिया के बारे में विस्तार से चर्चा की। मैंने शूट के लिए पारंपरिक परिधान व आभूषण चुने। तेजस्विनी ने बेहतरीन पोज़ दिए। (Fig. 16, 17 व 18 देखिए)

Fig. 16

रेगिस्तान में शास्त्रीय नृत्य

मैंने तेजस्विनी के साथ दो दिन काम किया और ओडिशी डांस के बारे में विस्तार से बात की। गूगल पर भी इस नृत्य की तस्वीरें देखीं और जानकारी जुटाई। मैंने पाया कि गूगल पर सभी तस्वीरों में नृत्य स्टेज पर या बैकग्राउंड में मंदिर है। तभी मेरे दिमाग में आइडिया आया कि क्यों न इस नृत्य को रेगिस्तान में शूट किया जाए, ऐसा कभी नहीं किया गया। मैंने

Fig. 17

Fig. 18

तमाम ड्रेस में सियान (हरा-नीला) रंग चुना, जिसमें लाल भी था, ऐसा इसलिए ताकि रेगिस्तान में कंट्रास्ट दिखे। तेजस्विनी ने लाजवाब प्रदर्शन दिया। (Fig. 19, 20 व 21 देखिए)

Fig. 19

Fig. 20

Fig. 21

पुष्कर मेला-दुनिया भर से आए फोटोग्राफर्स के लिए आकर्षण का केंद्र

खुद ही देखिए पुष्कर के खूबसूरत नज़ारे

मुकेश श्रीवास्तव
FIE, FFIP, EFIAP
इंजीनियर, फोटोग्राफर, लेखक,
पूर्व निदेशक (ई), भारत सरकार
निदेशक, सेण्टर फॉर विजुअल आर्ट्स
निकॉन मेण्टर (2015-2017)
एवं अध्यक्ष, धनबाद कैमरा क्लब

पुष्कर मेला भारत में होने वाले ऊंट, घोड़े व पशुओं के मेले में से एक है। पशुओं का व्यापार करने के अलावा यहाँ की पुष्कर झील हिन्दुओं के तीर्थ स्थानों में से एक है। पुष्कर मेला भारतीय व विदेशियों के लिए एक बड़ा आकर्षण का केंद्र है, ठंड के मौसम में यहां के रंगबिरंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने लायक होते हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में कई प्रतियोगिताएं होती हैं जैसे कि नृत्य, रस्साकशी- यह पुरूषों व महिलाओं दोनों की टीमों के बीच होती है, मटकाफोड़, सबसे लंबी मूंछ प्रतियोगिता, दुल्हन प्रतियोगिता, ऊंट की रेस व अन्य प्रमुख रूप से होते हैं।

पुष्कर मेला, पुष्कर ऊंट मेला और कार्तिक मेला या पुष्कर का मेला इत्यादि नाम से मशहूर यह वार्षिक आयोजन पुष्कर (राजस्थान) में आयोजित किया जाता है। मेला हिंदू तिथि के अनुसार कार्तिक माह में आयोजित होता है और कार्तिक पूर्णिमा में समाप्त होता है। दस लाख से भी अधिक लोग पूरे साल में पुष्कर आते हैं। केवल मेले में ही यहाँ दो लाख के करीब लोग आते हैं।

ब्रह्मा का 200 साल पुराना मंदिर

पुष्कर नाम के पीछे कहानी को थोड़ा और विस्तार से समझते हैं। ऐसा माना जाता है कि ब्रह्मा जी ने यहाँ की झील यानि की पुष्कर झील में एक खिलता हुआ कमल गिराया था, तभी से पुष्कर स्थायित्व में आया। तभी से पुष्कर को ब्रह्मा जी का निवास स्थान माना जाता है। अन्य हिंदू देवताओं के मुकाबले यदि देखें तो ब्रह्मा जी के केवल पांच ही निवास माने जाते हैं जिसमें से सबसे पवित्र जगह पुष्कर है।

यूं तो कोई ब्रह्म स्थान का कोई प्रमाण नहीं है लेकिन माना जाता है कि यह 2000 वर्ष पहले था और मुगल शासक औरंगजेब द्वारा 14वीं शताब्दी में खत्म किया गया था क्योंकि वह पूरे भारत को इस्लामिक राज्य बनाना चाहता था।

हज़ारों की संख्या में लोग पुष्कर झील के किनारे आते हैं जहाँ मेला लगता है। पुरूष पशु जिसमें ऊंट, घोड़े, गाय, भेड़, बकरी इत्यादि का व्यापार करते हैं। ग्रामीण परिवार स्टॉलों से खरीदारी करते हैं, इनमें ब्रेसलेट, कपड़े इत्यादि होते हैं। ऊंट की रेस से मेले की शुरूआत होती है, संगीत, प्रदर्शनी आदि यहाँ देखने लायक होती है।

कार्यक्रमों के बीच में सबसे ज्यादा लोग यह देखते हैं कि किस प्रकार ऊंट सामग्री लेकर आते हैं।

फोटोग्राफर्स के लिए यहां मुख्यतः दो चीजें देखने लायक होती हैं। पहला कि मेला 150 बीघा की जमीन में फैला हुआ होता है और दूसरा औपचारिक उत्सव जो मुख्य भूमि के बगल में दिन में व शाम को होता है।

ऊंट स्वामियों की गतिविधियां

ग्रामीणों का क्लोज अप

STUDIO NEWS
लखनऊ, शुक्रवार, 6 दिसम्बर 2019 से 5 जनवरी 2020

मेरे लिए फोटोग्राफी का अर्थ है बीतते हुए क्षण को थाम लेना जो सत्य है। -जैक्यूस हेनरी लारतीग

ऊंट स्वामियों की गतिविधियां

ऊंटों का कारवाँ

राजस्थान के ऊंट सजावट के सबसे मशहूर शख्सियत श्री अशोक टाक अपने सजाए गए ऊंट के साथ। उन्हें 2013 में लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार से भी नवाजा जा चुका है।

औपचारिक मेले की गतिविधियाँ
(फोटो - टाइम्स ऑफ इंडिया अजमेर के फोटोजर्नलिस्ट **शौकत अहदम**)

मेले की रात्रि की गतिविधियाँ
(फोटो - **आनन्द शर्मा अज्ञात**, अजमेर के फोटोजर्नलिस्ट)

पानी का रिफ्लेक्शन

फोटोग्राफर्स के लिए सर्वश्रेष्ठ समय-

औपचारिक पुष्कर मेला दीपावली के सात दिन बाद से शुरू होता है। राजस्थान की टूरिज्म साइट www.rajasthan.gov.in से जानकारी ली जा सकती है। दीपावली के अगले दिन से ऊंट आने शुरू हो जाते हैं। जैसे ही मेला औपचारिक रूप से शुरू होता है वैसे ही ऊंट का व्यापार शुरू हो जाता है और करीब 30 फीसद ऊंट बिक जाते हैं। इसलिए फोटोग्राफर्स को सलाह दी जाती है कि वे दीपावली के दो दिन बाद ही वहाँ पहुंच जाएं।

फोटोग्राफर्स के लिए कुछ खास सलाह

पहले ऊंट स्वामी अपने परिवार के साथ आते थे और पारंपरिक परिधानों में महिलाएं व लड़कियां भी साथ में होती थीं। फोटोग्राफर्स उनसे पोज़ करने के लिए कहते थे। इस तरह के बर्ताव से न केवल महिलाएं क्षुब्ध होती हैं बल्कि राजस्थानी लोगों को भी वह गंवारा नहीं है, उनके लिए आत्म सम्मान से बढ़कर कुछ नहीं। इसके बाद ऊंट स्वामियों ने अपने परिवार को ही लाना बंद कर दिया। आज वह पारंपरिक रंग इन्हीं कारणों से हम देख नहीं पाते। मेरी फोटोग्राफर्स से यह दिली निवेदन है कि वह इस तरह से बर्ताव न करें। सामान्य जीवन की तस्वीरें, बनावटी पोज से कई गुना बेहतर होती हैं।

साल दर साल कम होती ऊंट की संख्या

पहले के समय में ऊंट खासतौर पर ट्रांसपोर्टेशन व फार्मिंग के लिए प्रयोग में लाए जाते थे। मशीनीकरण के चलते ऊंटों का इस्तेमाल कम किया जाने लगा, लेकिन बूचड़खाने में ऊंटों को काटना आज भी जारी है। इसी के चलते ऊंटों की कीमत में गिरावट आ गई।

पशु के तौर पर ऊंटों पर कई राजस्थानी लोगों की आजीविका निर्भर थी। हालांकि पिछले कई सालों से मीट के लिए ऊंटों को काटा जा रहा है और गैरकानूनी रूप से इन्हें पड़ोसी देशों में पहुंचाया जा रहा है। राजस्थान के कई जिलों में ऊंट को कुर्बानी के लिए भी मारा जाता है। इसी का नतीजा है कि ऊंटों की गिनती में बहुत कमी आ गई है। 30 जून 2014 को राजस्थान की सरकार ने ऊंट को राज्य का पशु घोषित किया था। राज्य में इनकी गिरती संख्या पर नजर रखने के लिए कदम उठाए थे। राज्य का पशु घोषित होने के बाद ऊंटों का राजस्थान से बाहर लाने-लेजाने पर पूरी तरह अंकुश लगाया गया।

हर वर्ष कीमत इस कदर गिरी है कि 2019 के मेले में ऊंटों को 1500 में बेचा गया जो कि एक बकरे के दाम से भी बहुत कम है। यह बेहद चिंताजनक है। सरकार को अंतरराष्ट्रीय आकर्षण के लिए ऊंटों की ओर ध्यान देना चाहिए।

ऊंटों के मेले का क्षेत्र-

हजारों की संख्या में ऊंट व घोड़े छोटे रेगिस्तान में व्यापार के लिए रखे जाते हैं-

आपको इस प्रकार की तस्वीरें मिल सकती हैं-

1-ग्रामीणों का क्लोज अप

2-ऊंट स्वामियों की गतिविधियां

3-वॉटर टैंक का रिफ्लेक्शन

4-ऊंटों का कारवां

5-गांव की अन्य गतिविधियां

औपचारिक मेला (समय सुबह साढ़े छह से नौ बजे तक)

1. प्रतियोगिताएं जैसे कि ऊंट की रेस, ऊंट की सजावट, मटका रेस, पारंपरिक दीवार सज्जा, हारमनी मैराथन, हॉट एयर बैलून फाइट, विदेशियों के साथ लंगड़ी टांग, डांस प्रतियोगिता, घोड़ा डांस प्रतियोगिता, लगान स्टाइल क्रिकेट मैच, मूंछ प्रतियोगिता, पगड़ी बांधना, पतंग उड़ाना, शिल्पग्राम बाजार आदि।
2. शास्त्रीय नृत्य व पारंपरिक राजस्थानी नृत्य, आदि।

फूड फोटोग्राफी में रंगो का संयोजन

स्मिता श्रीवास्तव
फूड स्टाइलिस्ट एडं फोटोग्राफर

आर्ट और फोटोग्राफी में रंग बहुत ही महत्त्वपूर्ण भूमिका रखते हैं। सही रंगो का चयन जहाँ एक चित्र को मनमोहक बना सकता है वहीं गलत रंग संयोजन (कलर स्कीम) का इस्तेमाल करते ही अच्छे से अच्छा फ्रेम भी अपना आकर्षण खो देता है। हमारी इन्द्रियों और रंगो में गहरा सम्बन्ध है, कुछ रंगो को देख कर हमें खुशी का एहसास होता है, जबकि फीके रंगो को देख कर मन बुझ सा जाता है। गहराई से रंगो को समझने पे कई आश्यर्जनक तत्त्व सामने आते हैं - जैसे कि रंगो का इस्तेमाल करके एक कलर थेरेपिस्ट रोगों का निवारण कर सकता है, रंगो का प्रयोग करके एक मनोवैज्ञानिक अपने मरीज़ की मानसिक स्थिति को भाँप सकता है या फिर एक विजुअल आर्टिस्ट सही रंगो का विज्ञापनों में चुनाव करके अपने क्लाइंट के प्रोडक्ट की सेल बढ़ा सकता है। विश्वास न हो तो अपने दिमाग पे ज़ोर दीजिये और याद करिये फ़ास्ट फूड चेन्स के बाहर इस्तमाल हुए तीखे सुर्ख रंग या फिर एसी, कूलर या फ्रिज की दुकानों में बखूबी से इस्तेमाल हुए नीले सफ़ेद रंग। कितनी ही बार आपको इन दोनों के रंगो ने प्रभावित किया होगा और रंगो के असर से वशीभूत होकर आपने अपना पसंदीदा फ़ास्ट फूड आर्डर किया होगा या उस इलेक्ट्रॉनिक उपकरण की दुकान से सामान खरीदते समय रंगो की ठंडक को महसूस किया होगा।

उपरोक्त उदाहरणों की तरह फूड फोटोग्राफी में भी रंगो का बड़ा योगदान होता है और एक फोटोग्राफर का दायित्त्व उन रंगो को सही से उभारना होता है। जैसा कि हम सब जानते है कि फूड फोटोग्राफी का पूर्ण मकसद खाद्य पदार्थो के चित्रों द्वारा हमारी इन्द्रियों को सक्रिय करना होता है और सही रंगो का चयन इस कार्य को आसान कर देता है। लाल टोमेटो केचप की बोतल से साथ यदि कम लाल या पीले हरे टमाटर रख दिए जाये, या फिर यदि दाल या सब्ज़ी हल्की पीली लगे तो बेशक आप घर में उसे खा लोगे परन्तु आप उस चित्र में देखकर खरीदना या आर्डर करना कभी पसंद नहीं करेंगे क्योंकि वह फीके रंग आप की स्वाद कलिकाओं को सक्रिय नहीं कर पाएंगे।

आर्ट, क्राफ्ट या डिज़ाइन के आयामों की तरह फूड फोटोग्राफी में रंगो का सही चयन करने के लिए हमें कलर व्हील को अच्छे से समझना पड़ेगा, शुरूवात में यह थोड़ा मुश्किल सा प्रतीत हो सकता है परन्तु इस्तेमाल करते-करते कलर स्कीम्स दिमाग में खुद-ब-खुद बैठ जाएंगे। लेख में छपे कलर व्हील को काट के अपने पास रख लीजिये और शॉट की प्लानिंग करते हुए या प्रॉप्स और बैकग्राउंड का चयन करते हुए ज़रूर रेफर कीजिये, आपके साधारण से दिखने वाले शॉट्स थोड़ी सी प्लानिंग के साथ किसी पत्रिका या विज्ञापन के फूड शॉट से से कम नहीं लगेंगे।

फूड फोटोग्राफी में सही रंगो का चयन करने की पूरी प्रक्रिया को समझने से पहले हमें कलर व्हील और बेसिक कलर स्कीम्स को समझना बहुत ही आवश्यक है।

बेसिक कलर व्हील

कलर व्हील को मध्य 16वीं शताब्दी में महान वैज्ञानिक न्यूटन द्वारा दर्शाया गया था और यहीं से यह साबित हुआ कि सफ़ेद या प्योर लाइट को मुख्यता 7 रंगो में विभाजित किया जा सकता है - लाल, नारंगी, पीला, हरा, नीला, इंडिगो और बैगनी। इन सातो रंगो को उसने 7 स्वरों से भी जोड़ कर अपनी थ्योरी को एक अलग स्तर दिया था। इसी कलर व्हील से अन्य कलर स्कीम्स का प्रादुर्भाव हुआ।

प्राथमिक रंग (प्राइमरी कलर्स)

कलर व्हील के तीन मुख्य रंग होते हैं - लाल, पीला और नीला जिन्हें हम प्राइमरी कलर्स कहते हैं। यह रंग अपने आप में परिपूर्ण होते है, जहाँ इन रंगो को मिश्रित करके सैकड़ो ही रंगो को बनाया जा सकता है, वहीं किसी भी रंग को मिला के इन्हें नहीं बनाया जा सकता है। सुर्ख और चटख होने की वजह से, यह रंग तीव्रता, रफ्तार या आपातकालीन स्थिति को सूचित करते है।

द्वितीयक रंग (सेकेंडरी कलर्स)

यह कलर्स 2 प्राइमरी कलर्स को मिश्रित करके बनाये जाते हैं। पीला और नीला मिल कर जहाँ हरा बनता है वहीं नीले और लाल से बैगनी और लाल और पीले से नारंगी।

टर्शरी (Tertiary) रंग

ये रंग एक प्राइमरी कलर और उस के समीप वाले एक सेकेंडरी कलर के मेल से बनते है। प्राइमरी या सेकेंडरी रंग के मात्रा में फेर-बदल कर के हम 6 टर्शरी (Tertiary) रंगो को बना सकते है जैसे लाल और नारंगी को लेके - red-orange, पीले और नारंगी को लेके yellow-orange, पीले और हरे को लेके yellow-green, नीले और हरे को लेके blue-green, नीले और बैगनी को ले के blue-violet और लाल और बैगनी को लेके red-violet।

वार्म एंड कूल कलर्स

कलर व्हील को हम मुख्यता 2 भागो में विभाजित कर सकते हैं - वार्म एंड कूल। किसी भी चित्र का मूड दर्शाने के लिए यह रंग बहुत महत्त्वपूर्ण भूमिका रखते हैं। लाल, पीला और नारंगी वार्म कलर्स के अंतर्गत आते हैं और कूल कलर्स की उपेक्षा चटख, चमकीले और हमारी इन्द्रियों को उत्तेजित करने वाले होते हैं। यह रंग हमें फेस्टिव फील, वार्मथ और खुशी जैसे तीव्र भावों का आभास कराते हैं। फूड फोटोग्राफी में इनका इस्तेमाल भी इन्हीं इमोशंस को दर्शाने के लिए किया जाता है। तीखे मसालेदार व्यंजन, पारम्परिक या त्योहारिक फूड्स, सर्दियों के व्यंजन, जंक फूड इत्यादि का परिपूर्ण आभास दिलाने के लिए इनका इस्तेमाल किया जाता है।

वही कूल कलर्स हरा, नीला और बैगनी रंगो का मूड सूथिंग और ठंडक प्रदान करने वाला होता है, इसलिए इनका इस्तेमाल ग्रीष्म ऋतू का हल्का सुपाच्य भोजन, शीतल पेय, ताज़ी हरी सलाद और इन्द्रियों को ठंडक देने वाले खाद्य पदार्थो को खूबसूरती से दर्शाने के लिए होता है।

उदहारण के तौर पर हल्के रंग की बैकग्राउंड, एक दूध के गिलास, कुछ अंडो के साथ एक सफ़ेद प्लेट पर रखी एक कपकेक जहाँ आप को ग्रीष्म ऋतु की एक सुबह का आभास कराएगी, वहीं भूरे काले रंग की लकड़ी की बैकग्राउंड कुछ लाल पीली पत्तियाँ और गहरे रंग की प्लेट पे रखी वही कपकेक आपको पतझड़ या ठण्ड की अँधेरी शाम का।

एनालॉग्स कलर्स

यह वह कलर्स होते हैं जो कलर व्हील में एक दुसरे के अगल-बगल होते हैं। एक जैसे कलर परिवार में होने की वजह से ये 2, 3 या 4 साथ प्रयोग करने पर भी तस्वीर में रंगो का संतुलन बनाये रखते हैं और मस्तिष्क और आँखो को सुखदायक लगते हैं। मिलते जुलते रंगो की फल-सब्ज़ियों या खाद्य पदार्थ सफ़ेद, काले या अपने से मिलते जुलते रंगो की बैकग्राउंडस या प्रॉप्स के साथ खूब जंचते हैं और हर सामग्री को चित्र में बराबर की महत्ता देते हैं।

कॉम्प्लिमेंटरी कलर्स

कलर व्हील में एक दुसरे के विपरीत रंगो को इस्तेमाल करके कॉम्प्लिमेंटरी कलर स्कीम बनती है। उदाहरण के तौर पर लाल और हरा। सेकेंडरी और टर्शरी कलर्स को भी इस्तेमाल करके बखूबी संयोजन (कॉम्बिनेशंस) बनाये जा सकते है जैसे कि पीला और बैगनी या नीला और नारंगी। यह कलर स्कीम का प्रयोग न सिर्फ पिक्चर में कन्ट्रास्ट बढ़ाता है बल्कि पिक्चर को संतुलन और नया आयाम देता है।

न्यूट्रल कलर्स

इन रंगो की हमारे आस-पास भरमार रहती है परन्तु कलर व्हील में यह नहीं दर्शाये जाते हैं। काला, सफ़ेद, भूरा और सिलेटी (ग्रे) इन् रंगो के अंतर्गत आते हैं। यह रंग अकेले या अन्य कलर स्कीम्स के साथ बहुत ज़्यादा इस्तेमाल होते हैं। इन रंगो को अन्य रंगो के साथ मिला के उन्हें हल्का या गहरा बनाया जा सकता है।

मोनोक्रोमेटिक कलर्स

इसके अंतर्गत एक रंग का चयन करके, उसमें काला या सफ़ेद मिला के अनगिनत हलके और गहरे टोन्स बनाये जा सकते हैं। काले से सफ़ेद, बेबी पिंक से मैरून या हलके हरे से गहरे हरे तक का अनगिनत रंगो के समन्वय का सफर मोनोक्रोम के अंतर्गत आता है। मोनोक्रोम चित्र में लगा एक अलग परिवार का कलर साधारण चित्र की खूबसूरती चौगुनी कर देता है।

रंगो को भली भाति उभारने में लाइट सबसे एहम भूमिका निभाती है, अच्छी से अच्छी कलर स्कीम सही लाइट इंटेंसिटी और टेम्परेचर के आभाव में नीरस लग सकती है इसलिए फूड फोटोग्राफी के दौरान सही लाइट का चयन ध्यान पूर्वक करें।

STUDIO NEWS
लखनऊ, शुक्रवार, 6 दिसम्बर 2019 से 5 जनवरी 2020

मेरी पसंदीदा फोटो कौन सी है? वह जो मैं कल लेने जा रहा हूँ। -इमोजेन कनिंगहैम

सेल्फी : स्मार्टफोन फोटोग्राफी का एक लोकप्रिय अध्याय

वरिष्ठ छायाकार **अतुल हुंडू** स्मार्टफोन फोटोग्राफरों को सेल्फी कैमरा से जुड़ी जानकारियों से रूबरू करा रहे हैं।

स्मार्टफोन से तस्वीरें लेने वालों के बीच सेल्फी बहुत लोकप्रिय शब्द है। सेल्फी खुद क्लिक किये सेल्फ-पोर्ट्रेट को कहते है। साल 2013 में ऑक्सफ़ोर्ड डिक्शनरी ने सेल्फी को 'वर्ड ऑफ़-द-ईयर' भी घोषित किया था। यह वह साल था जब स्मार्टफ़ोन से सेल्फी लेने का क्रेज तेज़ी से बढ़ने लगा था। वैसे तो बहुत समय से लोग कैमरा से स्वयं की तस्वीरें लेते रहे हैं लेकिन इस कठिन प्रक्रिया में ट्राइपॉड, टाइमर की सहायता से क्लिक करने के बाद जल्द अपनी लोकेशन पर पहुंचना जरूरी होता है। लेकिन सेल्फी कैमरा ने इस काम को बहुत आसान बना दिया।

फोटोग्राफी से परिचित होने से पहले अमीर लोग ही आर्टिस्ट से अपने पोर्ट्रेट बनवाना अफोर्ड कर सकते थे। सबसे पहले सेल्फ-फोटो का प्रयास 1839 में केमिस्ट रॉबर्ट कॉर्नेलियस द्वारा किया गया था। लगभग उसी समय, हिप्पोलीट बेयर्ड ने फ्रेंच अकादमी ऑफ साइंस को दिखाने से पहले सेल्फ-पोर्ट्रेट के साथ अपनी फोटोग्राफिक प्रक्रिया का परीक्षण किया था। 1950 के दशक में एंडी वारहोल ने एक आर्टिस्टिक सेल्फी लेकर लोगों का ध्यान आकर्षित किया था।

कैमरा ने फोटोग्राफी को पॉपुलर तो बनाया, लेकिन सेल्फी कैमरा डेवलपर्स ने जनता के सेल्फ पोर्ट्रेट्स की चाहत को समझ कर इस काम को सर्वजन-सुलभ और बेहद आसान बना दिया। अब हर कोई कहीं भी आसानी से अपनी तस्वीरें ले सकता है। वीडियो कालिंग के लिए भी फ्रंट सेल्फी कैमरा बहुत महत्वपूर्ण है।

जब आई-फोन ने 2010 में एक बेहतर फ्रंट-फेसिंग कैमरा पेश किया, "सेल्फी" एक अंतर्राष्ट्रीय घटना बन गई। जब तक स्मार्टफ़ोन में फ्रंट-फेसिंग कैमरे प्रचलन में नहीं थे सेल्फी लेना खासा मुश्किल काम था, और अक्सर दोस्तों द्वारा किया जाता था। सोशल मीडिया और प्रोफ़ाइल फ़ोटो के दौर से पहले सेल्फी का कोई खास उपयोग भी नहीं था। सोशल मीडिया के दौर में सेल्फी के पॉपुलर होने के बाद एडिटिंग ऐप्स भी धड़ाधड़ लांच होने लगे। इससे एक कदम आगे बढ़ कर साल 2012 में स्नैपचैट ने वीडियो सेल्फी का कांसेप्ट पेश कर दिया।

2014 में एक निश्चित दूरी से सेल्फी लेने के लिए सेल्फी स्टिक व अन्य विकल्प मार्केट में लांच होने लगे। गूगल द्वारा पेश किये एक अनुमानित डाटा के अनुसार इसी साल करीब 9.3 करोड़ प्रति दिन की दर से एंड्राइड फ़ोन प्रयोगकर्ताओं ने सेल्फी क्लिक की। इस डाटा को देखने के बाद स्मार्टफोन निर्माताओं ने फ्रंट सेल्फी कैमरा की इमेज क्वालिटी व रिज़ॉल्यूशन में सुधार करना शुरू कर दिया। एक रिसर्च के अनुसार ऑनलाइन शेयर की गई सेल्फी में से आधे से अधिक लोगों ने क्लिक्स में अपने लुक्स का विशेष ध्यान दिया था। इसलिए फ्रंट-फेसिंग कैमरों में AI द्वारा ऑटो इमेज एनहांसमेंट व पोर्ट्रेट मोड इंट्रोडियूस किये गए। ऑनलाइन शेयर होने वाली 2/3 सेल्फी महिलाओं द्वारा पोस्ट की जाती है। इस बात का ध्यान रखते हुए स्किन-स्मूदनिंग को बढ़ावा मिला।

जब भी हम नई और मज़ेदार चीज़े करते है या खूबसूरत स्थानों पर होते है, सेल्फी लेते है और सोशल मीडिया पर शेयर करते हैं। शायद हम दुनिया को दिखाना चाहते हैं कि हम उनसे कितने अलग और बेहतर हैं। लोगों को जगह-जगह एक निश्चित कोण से अपनी सेल्फी लेते हुए अक्सर देखा जा सकता है। क्योंकि उन्हें पता होता है कि उस एंगल से उनके लुक्स सबसे बेहतर आते है।

सेल्फी एडिटिंग एप्स इस श्रृंखला की अगली कड़ी है। यह ऐप्स और हमारे बेहतर दिखने की चाह को पूरा करने में मदद करते है। अब स्लिमिंग, स्किन स्मूथिंग, लाइट इम्प्रूवमेंट और आई-एन्हांसमेंट जैसे काम एक क्लिक में हो जाते है।

सेल्फी, सेल्फ पोर्ट्रेट से अलग होती है। सेल्फी स्वयं की वह क्लिक है जो हलके फुल्के मोमेंट्स में खुद को कैद करने के लिए आप खुद करते है। सेल्फ पोर्ट्रेट अधिक गंभीर कोशिश है। कई लोग अपने पोर्ट्रेट को शूट करने के लिए किसी की मदद लेते है या वे निश्चित दूरी पर फ़ोन के मेन कैमरा को टाइमर पर लगा कर अपनी फोटो लेते है। यह तरीका बेहतर पर्सपेक्टिव और क्वालिटी के साथ अधिक कण्ट्रोल देता है लेकिन यह तरीका अधिक समय और कुशलता की मांग करता है।

स्मार्टफोन में कैमरों के दो सेट होते हैं। फ्रंट में सेल्फी कैमरा और रियर साइड में मेन व अन्य सेकेंडरी कैमरा। मुख्य कैमरा के पोर्ट्रेट्स की क्वालिटी, सेल्फी कैमरा की क्वालिटी से अलग होती हैं। सेल्फी कैमरा सेल्फी के शौकीनों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, लेकिन मुख्य कैमरे की तुलना में सेल्फी कैमरा की क्वालिटी औसत होती है। छोटे सेंसर साइज की वजह से इनकी इमेज डिटेलिंग और लो-लाइट परफॉरमेंस उतनी बेहतर नहीं होती। एक हाथ की दूरी से क्लिक करने व वाइड इमेजिंग एंगल की

1839 में रोबर्ट कॉर्नेलियस द्वारा ली गई दुनिया की पहली दुनिया की पहली सेल्फी

फॉक्स फोटोज के स्टाफ फोटोग्राफर दर्पण में अपना फोटो लेता हुआ, माना जाता है कि इसे 1948 में लिया गया था

वजह से भी तस्वीर उतनी आकर्षक नहीं आती जितनी की मेन कैमरा से आ सकती है। कई बार सेल्फी के वाइड एंगल लेंस का डिस्टॉरशन फोटो में अटपटा भी लगता है। इसके अलावा मेन कैमरा आप को एक्सपोज़र, बोकेह कण्ट्रोल जैसे बेहतर कण्ट्रोल ऑप्शंस द्वारा फोटो को ज़्यादा बेहतर करने का अवसर देता है।

सेल्फी कैमरा व इसके सॉफ्टवेयर की डिज़ाइनिंग के अपने चैलेंज है। जो बात सबसे महत्वपूर्ण है वो है दुनिया भर में अलग-अलग लोगों की त्वचा और उसके रंग। हर व्यक्ति की पसंद भी अलग अलग थी। दुर्भाग्यवश एक हाथ की लंबाई पर फ्रंट कैमरे शूटिंग पोर्ट्रेट के लिए आदर्श नहीं हैं। पास से तस्वीर लेने से चेहरे डिसटॉर्ट हो जाते हैं। उदाहरण के लिए सेल्फी में नाक बड़ी दिखती है और चेहरा खींचा हुआ आता है। आजकल के फ़ोन मॉडल्स रियल टाइम में इस डिस्टॉरशन को कण्ट्रोल करने में सक्षम है।

ब्यूटीफिकेशन या एल्गोरिथ्म आधारित एनहांसमेंट आज स्मार्टफोन सेल्फी में इम्पोर्टेन्ट रोल निभाते हैं। किसी भी सेल्फी का ब्यूटीफिकेशन प्रोसेस फोटो खींचने जितना महत्वपूर्ण हो गया है। यह अच्छा होगा यदि डेवलपर्स उपरोक्त कमियों को जल्द दूर कर सके। उदाहरण के लिए वॉल्यूम एनामॉर्फोसिस करेक्शन वाइड एंगल लेंस के डिस्टॉर्शन से निपटने में मददगार हो सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) रियल टाइम में अपेक्षित परिणाम देने में मदद कर सकता है। इसकी शुरूवात हो चुकी है। अलग-अलग स्मार्टफोन ब्रांड सेल्फी ब्यूटिफिकेशन के लिए अलग-अलग सॉफ्टवेयर व अल्गोरिथ्म का इस्तेमाल करते है। भले ही उनका तरीका अलग-अलग हो लेकिन उनका उद्देश्य आप को बेहतर दिखाना ही होता है।

खुद की तस्वीरें लेने के अलावा सेल्फी कैमरा का उपयोग डाउन एंगल शॉट्स लेने के लिए भी बहुत उपयोगी है।

बाज़ार में उपलब्ध कुछ सबसे बेहतर सेल्फी कैमरा निम्न है-

सैमसंग गैलेक्सी S10+, आसुस जेन फ़ोन, गूगल पिक्सेल 4, हुआवे पी 30-प्रो, लेनोवो ज़े-प्रो आदि।

आज कल कई ब्रांड्स फ्रंट में भी ड्यूल कैमरा देते है जैसे- गूगल पिक्सेल 3, सैमसंग S10+, आईफोन 11 प्रो मैक्स, एलजी V40 थिन Q, आसुस ज़ेनफोन 6, शाओमी रेड 6 प्रो और रेडमी 6 प्रो। यह सेल्फी कैमरा को बेहतर बनाने की दिशा में बढ़ाया गया एक और कदम है। इनमें से किसी में दूसरा कैमरा डेप्थ सेंसर है तो किसी में 'ग्रुपी' (वाइड एंगल ग्रुप सेल्फी) करने के लिए। आसुस ज़ेनफोन-6 में पॉपअप रियर कैमरा सेटअप ही सेल्फी कैमरा की तरह इस्तेमाल होता है। कई ब्रांड्स अपने फ़ोन में 32 मेगापिक्सेल के सेल्फी कैमरा इस्तेमाल करते है। पिक्सल बाइनिंग तकनीक में 4 पिक्सल को मिला कर 1 बड़े पिक्सल की तरह इस्तेमाल किया जाता है। इस तरह कम रौशनी में भी सेल्फी कैमरा से 8 मेगापिक्सेल की ज़्यादा डिटेल वाली सेल्फी मिलती है।

बटन-होल सेल्फी कैमरा से लेकर पॉपअप होने वाले सेल्फी कैमरा तो हम देख चुके, आने वाला दौर है 'अंडर डिस्प्ले सेल्फी कैमरा' का है। कुछ दिन पहले ही ओप्पो और श्याओमी (नए आने वाले 108 मेगापिक्सेल फ़ोन में) अंडर डिसप्ले कैमरा की झलक दिखा चुके हैं। इन बीज़ल लेस फोनों में फ्रंट कैमरा डिस्प्ले के नीचे होगा, लेकिन यह टेक्नोलॉजी अभी अपने शुरूवाती दिनों में है।

सेल्फी कैमरा, ब्लॉगर और यू-ट्यूबर्स के लिए भी बहुत उपयोगी है। फ्रंट कैमरा की इस उपयोगिता को देखते हुए एसएलआर और मिरर-लेस कमरों में फ्लिप स्क्रीन का ऑप्शन दिया जाने लगा है।

यह फोटो (सेल्फी) फोटोग्राफर जोसेफ बायरन और उनके सहयोगियों द्वारा 1920 में डागुइरोटाइप कैमरा (दुनिया के पहले हाथ से पकड़ कर फोटोग्राफी कर सकने वाले कैमरा में से एक था) का उपयोग करते हुए न्यूयॉर्क सिटी के स्टूडियो की छत पर लिया गया था।

थ्री प्वाइंट लाइटिंग

फोटो बेहद खूबसूरत हो, इसके लिये कौन सी लाइट और किस प्रकार इस्तेमाल करनी चाहिए इसके बारे में बता रहे हैं जाने माने फोटोग्राफर - **आर. प्रसन्ना**

जैसा कि हम सब जानते हैं कि फोटोग्राफी में एक अहम हिस्सा है लाइट। लाइट की समझ ही एक प्रोफेशनल फोटोग्राफर और नए फोटोग्राफर के बीच का फर्क बताती है। परंपरागत फोटोग्राफी दो आयामी माध्यम है और अपने सब्जेक्ट को तीन आयामी बनाने के लिए लाइट का सही प्रयोग जरूरी है। गलत लाइटिंग तस्वीर को साधारण और बिना फीचर के बना देगी।

गहराई व कंट्यॉर लाइटिंग से बनाए जा सकते हैं। थ्री प्वाइंट लाइटिंग पोट्रेट लाइटिंग में काफी मशहूर है।

तीन अलग-अलग स्थान के इस्तेमाल से, फोटोग्राफर डायरेक्ट लाइटिंग से बन रही परछाई इत्यादी को कंट्रोल (या बिलकुल ही हटा सकता है) करने के साथ-साथ मनचाही तरह से सब्जेक्ट को रोशन कर सकता है। थ्री प्वाइंट लाइटिंग में मुख्य यानि की लाइट, फुल लाइट व रिम लाइट शामिल हैं।

जैसा कि नाम है, की लाइट सीधा सब्जेक्ट पर चमकती है और प्रधान प्रकाश देने वाला काम करती है। किसी भी चीज़ से ज्यादा रंग, की लाइट का एंगल शॉट की पूरी लाइटिंग डिजाइज को निर्धारित करते हैं। प्राकृतिक रूप से सूर्य मुख्य रोशनी देने का जरिया है लेकिन अंदर यानि यदि इंडोर सेटअप है तो लैंप व स्टूडियो लाइट मुख्य लाइट का काम करते हैं।

फिल लाइट भी मुख्य यानि की लाइट जितनी ही महत्वपूर्ण होती है,

ऐसा इसलिए क्योंकि यह छायांकित जगहों को रोशन कर संतुलित करती है, साथ ही व्यक्ति की नाक की छाया बाकी चेहरे पर कम करती है।

लाइट को वापस करने के लिए अन्य लाइट या सफेद थरमॉकोल का भी उपयोग किया जा सकता है। लाइटिंग अनुपात मुख्या यानी की और फिल के बीच का संतुलन है। उदाहरण के तौर पर यदि की लाइट एफ8 पर रीड कर रही है और फिल लाइट भी एफ8 है तो यह 1:1 का अनुपात है जो कि फ्लैट लाइट देगा। 1:2 अनुपात थोड़ा कम फिल देती है लेकिन इवेन लाइटिंग और 1:4 भारतीय त्वचा के पोट्रेट के लिए सही चयन है। अतः फिल लाइट की लाइट जितनी ही आवश्यक है और मैं कहूंगा कि तस्वीर का अंतिम लुक ही यह तय करती है।

रिम लाइट को बाल व कंधे की लाइट भी कहा जाता है जो सब्जेक्ट पर पीछे से पड़ती है। यह सब्जेक्ट पर लाइट का रिम देती है, इससे सब्जेक्ट बैकग्राउंड से अलग लगता है और कंट्यॉर हाईलाइट होता है। पोट्रेट को नाटकीय 3डी लुक देने के लिए रिम लाइट का उपयोग किया जाता है।

की, फिल व रिम लाइटिंग की सही समझ आपके पोट्रेट को दूसरों से अलग बनाएगी।

चार प्वाइंट लाइटिंग भी होती है, इसका जिक्र हम अगले अंक में करेंगे।

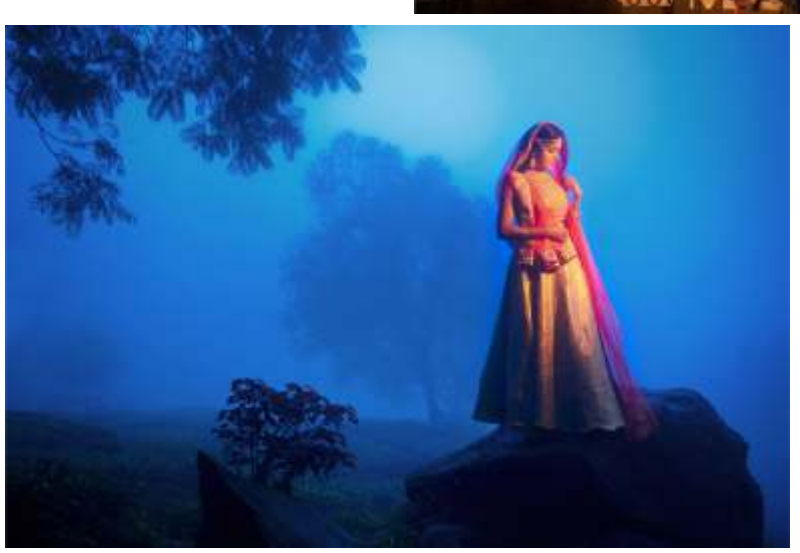

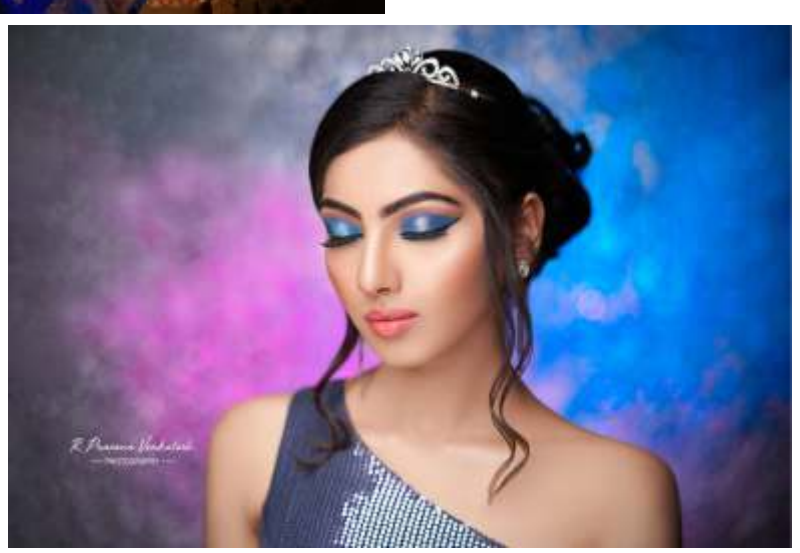

STUDIO NEWS
लखनऊ, शुक्रवार, 6 दिसम्बर 2019 से 5 जनवरी 2020

फोटोग्राफी को कहानी के साथ एकीकृत करना जरूरी है। -जेम्सी वॉन्गक होव

ना घबराना प्यारे

बड़ी सफलता पाने के लिए खुद को क्या करना पड़ेगा? इसी फलसफे को बताता आनन्द कृष्ण लाल का आलेख

मेरे एक मित्र अपने जीवन में आने वाली छोटी-बड़ी चुनौतियों से हिम्मत हार बैठते थे और बजाय ये सोचने के कि इससे कैसे पार पाया जाए, वो उल्टा सोचते थे कि, हे राम ये काम होगा कैसे। नतीजा ये रहता था कि इस नकारात्मक सोच के चलते वो कभी जीवन में सफल नहीं हो पाए। उनके बारे में सोच रहा था तो बरबस ही 'रेशमी रूमाल' फिल्म का 'मुकेश' जी का गाया गाना याद आ गया .... "गर्दिश में हों तारे, ना घबराना प्यारे ... ग़र तू हिम्मत ना हारे, तो होंगे वारे-न्यारे.."। पूरी की पूरी समस्या का समाधान छुपा है इस गाने में। हम सबका जीवन एक चुनौती है, और इसमें आगे बढ़ते हुए हमारे सामने छोटी बड़ी अनेक चुनौतियाँ सामने आती रहती हैं।

कई बार हम चुनौतियों से लड़ने में हिम्मत हार जाते हैं और सरेंडर कर देते हैं, जिसकी वजह से हम कुछ ना कुछ नुकसान उठा बैठते हैं। ऐसा नहीं है कि सब चुनौतियाँ आसान होती हैं, बहुधा जो काम साधारण दिखते हैं ज़रूरी नहीं कि वो आसान हों, क्यूंकि मेरा ये व्यक्तिगत अनुभव है कि दुनिया में आसानी से कुछ भी नहीं हासिल नहीं होता। मेहनत, उचित प्रयास और चुनौतियों से लड़कर आगे बढ़ना ही सफलता की ओर बढ़ता कदम है। जैसे हम सबको पता है कि सुबह उठ कर टहलना और कसरत करना हमारे लिए अच्छा है, ये सुनने में बहुत साधारण लगता है परन्तु आसान नहीं है। फिटनेस के लिए जिम जाना बहुत आसान लगता है पर नियम से जाना और हर दिन लगन से जिम में तमाम कसरतें करना इतना आसान नहीं है। इसी तरह पैसा कमाना बहुत साधारण सी बात लगती है पर पैसा कमाना इतना आसान नहीं है। आसानी से बात समझिये कि यदि आपको जीवन में कुछ ज़्यादा चाहिए तो कुछ ज़्यादा करना भी पड़ेगा।

ज़ाहिर सी बात है कि दस हज़ार की नौकरी के लिए जितना इंटरव्यू देना पड़ेगा पचास हज़ार वाली नौकरी के लिए उससे ज़्यादा कड़ा इंटरव्यू देना पड़ेगा और यदि नौकरी लाख दो लाख की हुई तो पता नहीं कितने राउण्ड इंटरव्यू के देने पड़ेंगे। जैसे-जैसे चुनौती बड़ी होती जाएगी आपके लिए मेहनत और प्रयास भी बढ़ते जाएंगे और सफलता के मायने भी। बहुत से ऐसे महान और सफल व्यक्ति हुए हैं जिन्होंने अपने लिए बड़ी-बड़ी चुनौतियाँ खुद ही खड़ी की और समय आने पर उस पर विजय भी हासिल की। थॉमस अल्वा एडिसन का नाम आप सबने सुना ही होगा, उन्होंने जब अपने सामने बिजली से रौशनी (बल्ब) बनाने की चुनौती रखी और लोगों को पता चला होगा तो लोग हँसे होंगे। पर छोटी और बड़ी चुनौतियों को एक्सेप्ट करते हुए आज उनके लगभग चौरासी वर्ष के जीवनकाल में अमेरिका में उनके नाम से 1093 पेटेंट्स हैं। चुनौतियों से हार मान लेते तो कार्ल बेंज साहब मोटर कार और राइट ब्रदर्स हवाई

जहाज़ नहीं बना पाते। अपने आस-पास के लोगों को जब ये चुनौतियाँ उन सबने बताई होंगी तो बहुत से लोग उन पर हँसे होंगे लेकिन सबको नज़रअंदाज़ करते हुए चुनौतियों को स्वीकारा गया और जिसका नतीजा आपके सामने है। अपने जुनून के लिए, अपने सपने के लिए जुनूनी बन जाइये, या कहा जाए कि पागल बन जाइये। ये सही बात है कि ऐसे जुनूनी-पागल लोगों ने ही दुनिया को बदला है। आपके सामने यदि चुनौतियाँ आ रहीं हैं तो समझ जाइये कि आप कुछ बड़ा करने वाले हैं और दुनिया बदलने वाला काम कर रहे हैं। भले ही सफल होने पर वो चुनौती आप की दुनिया बदल दे।

आइये एक कहानी से इस बात को समझने की कोशिश करते हैं। बात बहुत पुरानी है, किसी राज्य में एक राजा हुआ करता था। राजा ने एक बार अपने राज्य के लोगों की परीक्षा लेनी चाही। एक दिन उसने सुबह-सुबह जाकर राज्य के मुख्य मार्ग में एक बड़ा सा पत्थर रखवा दिया। पत्थर रखा होने के कारण सड़क से जो कोई भी निकलता उसे बड़ी परेशानी हो रही थी लेकिन कोई भी पत्थर हटाने की कोशिश नहीं कर रहा था।

राजा वहीं पास में भेष बदलकर खड़ा हो यह सब चुपचाप देख रहा था, कुछ देर बाद उसके राज्य के अनेक मंत्री, सिपहसालार और अन्य बड़े और धनी व्यापारी लोग भी उसी मार्ग से गुज़रे लेकिन किसी ने भी पत्थर हटाने की कोशिश नहीं की बल्कि सभी राजा को ही बुरा भला कह रहे थे कि रास्ते में इतना बड़ा पत्थर पड़ा है और राजा इसे हटवा क्यूँ नहीं रहा है। तभी राजा ने देखा कुछ देर बाद वहाँ एक ग़रीब किसान आया जिसके सर पे बड़ा सा सब्जी का गट्ठर रखा हुआ था जब किसान पत्थर के ऊपर से निकला तो उसे सर पर बोझ की वजह से काफ़ी परेशानी हो रही थी। तो उसने अपने सर से सब्जी की गठरी उतारी और पत्थर को पूरी ताक़त से हटाने में जुट गया। वो पत्थर बहुत बड़ा था लेकिन किसान ने हार नहीं मानी, चुनौती को स्वीकार किया और कुछ ही देर में रास्ते से पत्थर हटा दिया। जैसे ही उसने पत्थर हटाया उसने देखा की पत्थर वाली जगह पर एक थैला पड़ा हुआ था जो कि राजा ने पत्थर के नीचे छुपाया हुआ था। किसान ने थैला खोल कर देखा तो देखा आश्चर्य से उसकी आँखें फटी रह गयीं क्यूंकि उसमें सोने के 1000 सिक्के थे और एक पत्र था जिसमें लिखा था - "पत्थर हटाने वाले को राजा की ओर से इनाम".

यही समझ आता है कि जीवन में आने वाली हर चुनौती भी एक अच्छा अवसर लेकर आती है जो लोग चुनौती स्वीकार कर लेते हैं और इसे समझ पाते हैं वो सफल हो जाते हैं। मतलब नकारात्मक सोच के व्यक्ति ये अवसर खो देते हैं वहीं सकारात्मक सोच के व्यक्ति चुनौती स्वीकार करते हैं और अवसर का लाभ उठाते हैं। हमेशा याद रखिये कि चुनौती कभी धोखा नहीं देती।

स्टूडियो न्यूज
तिमाही फोटो प्रतियोगिता
फोटोग्राफी में अपना नाम और पहचान बनाने के साथ-साथ उपहार पाने और स्टूडियो न्यूज में प्रकाशित होने का मौका। उठाइये अपना कैमरा, रचनात्मक तस्वीरें खींचे और हमें भेजें।

नियम :
1. फोटो केवल डिजिटल रूप में भेजनी है। फाईल का फार्मेट JPEG होना चाहिए।
2. फोटो कलर या B/W कोई भी हो सकती है।
3. फोटो का साइज 8x10 इंच में एवं 300 dpi की होनी चाहिए।
4. फोटो के ऊपर कोई वाटर मार्क या नाम नहीं लिखा होना चाहिए।
5. कम्पटीशन में अधिकतम 2 फोटो ही भेज सकते हैं।
6. प्रतिभागी अपनी फोटो के लिए स्वयं जिम्मेदार होगा। किसी दूसरे की फोटो होने पर स्टूडियो न्यूज जिम्मेदार नहीं होगा।
7. फोटोग्राफर अपनी पासपोर्ट साइज फोटो, पूरा पता एवं फोन नम्बर अवश्य भेजें अन्यथा उनकी फोटो प्रतियोगिता में शामिल नहीं की जायेगी।

प्रतियोगिता की अन्तिम तिथि
28 जनवरी 2020

निर्णायक दल

वरिष्ठ छायाकार
अनिल रिसाल सिंह

आर्ट्स कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल
जयकृष्ण अग्रवाल

फोटो infostudionewsup@gmail.com पर मेल करें।

Nikon WFA
WEDDING FILM AWARDS

Is it just your **wedding film?** Or an **award winning wedding film?**

₹ 1 CRORE*
SHARE YOUR WEDDING FILM SHOT ON NIKON AND STAND A CHANCE TO WIN PRIZES WORTH

35 couples & 35 videographers will win exciting prizes worth up to ₹ 2 lakhs each!

*** Monthly basis winners declared from October onwards**

Winners take away

FILM MAKERS (WEDDING AND PRE WEDDING)	BRIDE & GROOM (WEDDING AND PRE WEDDING)
WINNER	**WINNER**
Z 6 With 24-70mm Lens + Mount Adapter FTZ	₹ 1 Lakh Cash Prize + make my trip Voucher Worth ₹ 1 Lakh
FIRST RUNNER-UP	**FIRST RUNNER-UP**
D750 With 24-120mm VR Lens	₹ 75K Cash Prize + make my trip Voucher Worth ₹ 75K
SECOND RUNNER-UP	**SECOND RUNNER-UP**
D7500 With AF-S NIKKOR 18-140mm VR Lens	₹ 25K Cash Prize + make my trip Voucher Worth ₹ 50K

Special mention category

FILM MAKERS	BRIDE & GROOM
D5600 With AF-P 18-55mm VR Kit Lens	make my trip Voucher Worth ₹ 50K

Additional ₹ 5 Lakhs giveaway as consolation prizes to be won!

SCAN TO REGISTER OR VISIT
WWW.NIKONWEDDINGFILMAWARDS.COM

T&C Apply

Corporate/Registered Office & Service Centre: **Nikon India Pvt. Ltd.,** Plot No. 71, Sector 32, Institutional Area, Gurugram-122001, Haryana, (CIN-U74999HR2007FTC036820). **Ph.:** 0124 4688500, Fax: 0124 4688527, **Service Ph.:** 0124 4688514, **Service ID:** nindsupport@nikon.com, **Sales and Support ID:** nindsales@nikon.com

TO LOCATE DEALERS IN YOUR AREA ▶ SMS NIKON <PINCODE> to 57575 ▶ CALL TOLL FREE No.: 1800-102-7346 ▶ VISIT OUR WEBSITE: www.nikon.co.in

Fisheye

RNI No. : UPHIN/2017/74695, **स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक** - सुरेंदर सिंह बिष्ट, शॉप नं. 3, शान्ति मार्केट, लक्ष्मणपुरी गेट, फैजाबाद रोड, इन्दिरा नगर, लखनऊ - 226016 द्वारा ज्ञान प्रिंटर्स, 207, 208 लेखराज मार्केट-2, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016 से प्रकाशित।
सम्पादक - सुरेंदर सिंह बिष्ट, फोन - 0522-4108575, ई-मेलः infostudionewsup@gmail.com, वेबसाइट : www.studionews.co.in